mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-176 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
26 जून 2024 बुधवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

अगर पाकिस्तान...
@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

शपथ के बाद ओवैसी ने लगाए फिलिस्तीन के नारे

● लोकसभा में शुरू हुआ नया विवाद, बीजेपी ने किया विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। हैदराबाद से लोकसभा सांसद और एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष संसद में शपथ ले रहे थे। इस दौरान उन्होंने फिलिस्तीन-इजराइल विवाद के बीच फिलिस्तीन के नारे लगाए। जिसके बाद बीजेपी ने इसका तगड़ा विरोध किया है। लोकसभा का विशेष सत्र चल रहा है। इस सत्र में सभी नव नियुक्त संसद सदस्य अपने सदस्यता की शपथ ले रहे हैं। क्रम चल ही रहा था कि इसी बीच हैदराबाद से ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष और सांसद ने भी अपने सदस्यता की शपथ ली। शपथ लेने के बाद उन्होंने जय फिलिस्तीन का नारा लगाया। जिसको लेकर विवाद खड़ा हो गया।

नृपेंद्र मिश्रा बोले-

राममंदिर में बिजली के पाइप से भरा पानी

● मंदिर निर्माण की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर में पहली बारिश में पानी टपकने पर मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने सफाई दी। मंगलवार को उन्होंने कहा- राम मंदिर के गर्भगृह में पानी भरने की दो वजह रहीं। पहली, गर्भगृह के आगे गूढ़ मंडप का निर्माण अभी पूरा नहीं हुआ है। इसके चलते बारिश का पानी मंदिर परिसर में आ गया। दूसरी, मंदिर की पहली मंजिल पर बिजली के तार डालने के लिए पाइप खुला था। इसके जरिए भी पानी मंदिर में आया।

दिल्ली जल संकट को लेकर आतिशी का अनशन खत्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली जल संकट को लेकर मंत्री आतिशी का अनशन 5वें दिन खत्म हो गया है। आतिशी की सोमवार-मंगलवार की देर रात को तबीयत बिगड़ गई थी। एएपी नेताओं ने उन्हें तड़के करीब 3 बजकर 38 मिनट पर अस्पताल में भर्ती कराया। मंगलवार सुबह संजय सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि आतिशी का अनशन अब खत्म हो गया है। उनका बल्ड शुगर लेवल 36 पहुंच गया है। यह मंगलवार देर रात 43 रिकॉर्ड किया गया था। अस्पताल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. सुरेश कुमार ने बताया कि आतिशी आईसीयू में हैं। वे फिलहाल ठीक हैं। मंगलवार रात को ही उन्हें भर्ती होने की सलाह दी गई थी, लेकिन उन्होंने हमारी बात नहीं मानी थी। आतिशी दिल्ली जल संकट को लेकर 21 जून से जंगपुरा के भोगल में अनशन पर बैठी थीं।

लोकसभा स्पीकर पर नहीं बनी सहमति, चुनाव आज

विपक्ष और सरकार में तनाव, ओम बिरला के मुकाबले उतरे के. सुरेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा स्पीकर के पद पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच सहमति नहीं बन पाई है। एनडीए की ओर से ओम बिरला ने नामांकन दाखिल कर दिया है। वहीं विपक्ष की ओर से के. सुरेश को कैंडीडेट बनाया गया है। उन्होंने भी नामांकन दाखिल कर दिया है। अब बुधवार को सुबह 11 बजे स्पीकर पद के लिए मतदान होगा। के. सुरेश केरल से कांग्रेस के सांसद हैं और 8वीं बार चुनकर लोकसभा पहुंचे हैं। आंकड़ों को देखते हुए साफ है कि स्पीकर पद पर चुनाव की स्थिति में एनडीए का दावा मजबूत है, लेकिन इंडिया अलायंस को लगता है कि उसके पास अपनी ताकत दिखाने का मौका है। इसलिए उसने डिप्टी स्पीकर का पद देने

की शर्त न पूरी होने पर कैंडीडेट ही उतार दिया है। इसके साथ ही भारतीय लोकतंत्र के 72 सालों के इतिहास में ऐसा तीसरी बार होगा, जब स्पीकर के पद पर चुनाव होगा। इस स्थिति के लिए राहुल गांधी ने सरकार पर ही ठीकरा फोड़ा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने सरकार का समर्थन करने का फैसला लिया था।

स्पीकर का कैंडीडेट उतारते ही 'इंडिया' में दिखी फूट

टीएमसी ने किया विरोध,कहा-एकतरफा फैसला ले लिया

कोलकाता (एजेंसी)। लोकसभा स्पीकर के चुनाव में विपक्ष ने अपना कैंडीडेट उतार दिया है। बुधवार को चुनाव है और उसके लिए इंडिया अलायंस के उम्मीदवार के तौर पर के. सुरेश ने नामांकन भी दाखिल कर दिया है। इसके कुछ घंटे बाद ही अलायंस को करारा झटका लगा है। इंडिया गठबंधन का हिस्सा रही ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी ने इस पर अलग रुख अपनाने के संकेत दिए हैं। ममता बनर्जी के सांसद भतीजे अभिषेक ने इस पर अलग स्टैंड लेने के संकेत दिए। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह एकतरफा फैसला है। अभिषेक बनर्जी ने कहा, हमसे इस बारे में कोई संपर्क नहीं किया गया। इसके बारे में कोई चर्चा नहीं की गई। दुर्भाग्य से यह एकतरफा फैसला लिया गया है। टीएमसी के इस रुख से विपक्ष के सामने वोटिंग से पहले ही मुश्किल खड़ी हो गई है। नंबर गेम की बात करें तो 240 सीटें अकेले भाजपा के ही पास हैं और अन्य सहयोगी दलों को मिलाकर एनडीए के पास करीब 300 सांसदों का समर्थन है। ऐसे में लोकसभा स्पीकर के चुनाव में ओम बिरला की जीत तय मानी जा रही है। ऐसे में टीएमसी ने साथ नहीं दिया तो इंडिया को करारा झटका लगेगा।

ईडी की कोई बदनीयत नहीं, रिकॉर्ड पर ध्यान नहीं दिया

● दिल्ली हाईकोर्ट ने सीएम केजरीवाल को दे दिया झटका

● नहीं मिल पाई जमानत,अब जेल में ही रहेंगे केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को दिल्ली हाईकोर्ट से झटका लगा है। एक्साइज पॉलिसी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में दिल्ली के सीएम केजरीवाल को निचली अदालत से जमानत दी गई थी। इसके खिलाफ ईडी की अर्जी पर हाई कोर्ट ने स्टे किया था। अब हाईकोर्ट ने जमानत देने से इनकार कर दिया है यानी केजरीवाल अभी जेल में रहेंगे। इस मामले में हाई कोर्ट ने जमानत पर अंतरिम रोक लगाते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया था। आज कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया, जिसमें केजरीवाल को कोई राहत नहीं मिली है। केजरीवाल इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे, जहां सोमवार को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट की ओर से फैसला सुरक्षित रखे जाने को 'असामान्य' बताया और कहा कि आमतौर पर स्टे की याचिका में फैसला ऑन द स्पॉट यानी उसी समय होता है। दिल्ली हाईकोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय की उस याचिका को स्वीकार कर लिया जिसमें कथित आबकारी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को निचली अदालत के

जमानत आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई थी। जस्टिस सुधीर कुमार जैन की पीठ ने 20 जून को निचली अदालत की ओर से दिए गए अरविंद केजरीवाल के जमानत आदेश पर रोक लगा दी। पीठ ने 21 जून को ईडी की ओर से निचली अदालत के फैसले को चुनौती दिए जाने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था। अब इस पर फैसला आने तक रोक जारी रहेगी। इस बीच कोर्ट ने मुख्य मामले की सुनवाई जुलाई के लिए तय कर दी है, जिसमें प्रवर्तन निदेशालय ने मामले में अरविंद केजरीवाल को नियमित जमानत देने के निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी थी। इससे पहले केजरीवाल के वकील की ओर से हाईकोर्ट के निचली अदालत का आदेश देखे बिना जमानत को स्टे किए जाने पर सुप्रीम कोर्ट रुख किया है। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा कि अगर हाई कोर्ट गलती कर दे तो क्या सुप्रीम कोर्ट को दोहराना चाहिए। हम हाई कोर्ट के आदेश का इंतजार करेंगे।

वाराणसी, गोरखपुर और प्रयागराज के कई गांव होंगे शहर

पेपर लीक पर होगी उम्र कैद योगी कैबिनेट में प्रस्ताव पास

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के बाद उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की कैबिनेट बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं। मंगलवार को सीएम योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में लोकभवन में आयोजित हुई कैबिनेट बैठक में 44 प्रस्ताव रखे गए थे जिसमें से 43 प्रस्ताव पास हो गए हैं। इनमें 3 बड़े शहरों के सीमा विस्तार के फैसले पर कैबिनेट ने मुहर लगा दी है। वहीं योगी कैबिनेट की बैठक में 7 पर्यटन विभाग के प्रस्ताव भी पास किए गए है। एक दूसरे अहम फैसले में यूपी में पर्चा लीक करने वालों को आजीवन कारावास की सजा के प्रस्ताव को भी मंजूरी मिल गई है। इसके तहत पेपर लीक कराने के दोषियों पर 1 करोड़ तक का जुर्माना लगेगा। इसके लिए प्रस्तावित कानून का अध्यादेश मंगलवार को योगी कैबिनेट से मंजूर हो गया है। मिल रही जानकारी के मुताबिक योगी कैबिनेट की बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए हैं। इनमें 3 बड़े शहरों के सीमा विस्तार पर कैबिनेट की मुहर लग गई है। वाराणसी, गोरखपुर और प्रयागराज विकास प्राधिकरण में कई गांव शामिल होंगे। इन प्रस्तावों में पर्यटन विभाग के कुल 7 प्रस्ताव पास हुए हैं। इनमें शाकुंभरी देवी मंदिर के पास निशुल्क भूमि पर्यटन विभाग को आवंटित किए जाने का प्रस्ताव पास हुआ है।

इतनी दीवाली आई-गईं लेकिन भारत के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट नहीं कर पाए

● ब्रिटेन में सुनक के विपक्षी प्रत्याशी बोले-भारत के साथ रिश्ते री-लॉन्च करेंगे

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के लेबर पार्टी के सांसद और शैडो विदेश मंत्री डेविड लैमी ने कहा है कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो वे भारत के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर प्राथमिकता से काम करेंगे। इसके अलावा ब्रिटेन और भारत के बीच स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप को भी आगे बढ़ाया जाएगा। पीएम सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी की आलोचना करते हुए डेविड ने कहा कि वह पार्टी 2010 से सत्ता में है।

अब तक कई दीवाली बीत चुकी हैं, लेकिन कंजर्वेटिव पार्टी ने भारत के साथ ट्रेड डील साइन नहीं की। उन्होंने हमेशा भारत के साथ रिश्तों को लेकर बड़े-बड़े वादे किए लेकिन उन्हें पूरा करने के लिए जरूरी कदम नहीं उठाए।

महाराष्ट्र में अब चुनाव के नए रास्ते तलाश रही बीजेपी

'मोदी फैक्टर' से मोहभंग, विधानसभा चुनाव से पहले शुरू की तैयारी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में नुकसान के बाद अब बीजेपी ने विधानसभा चुनाव की रणनीति बनानी शुरू कर दी है। अक्टूबर में महाराष्ट्र में विधानसभा के चुनाव भी कराए जा सकते हैं। वहीं बीजेपी ने 2019 में 23 लोकसभा सीटें जीती थीं लेकिन इस बार 9 पर ही सिमट गई। बीजेपी के सूत्रों का कहना है कि सबसे पहले बीजेपी गठबंधन के अंदर की कमियां दूर करना चाहती है। महायुति के अंदर ही शिवसेना और अजित पवार की अगुआई वाली एनसीपी में रार देखने को मिली है। वहीं बताया जा रहा है कि विधानसभा चुनाव में सीट बंटवारे को लेकर भी सहमति बनाना मुश्किल हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी ने इस बार राज्य के नेताओं को प्रमुखता देने का फैसला किया है। उनके द्वारा सुझाए गए रोडमैप को ही आगे रखा जाएगा। बीजेपी का मानना है कि सीधे केंद्र के दखल की वजह से महाराष्ट्र की जनता संतुष्ट नहीं हो पाई। हाल में हुई बैठक में बीजेपी नेताओं ने कहा कि केंद्रीकृत राजनीति की वजह से महाराष्ट्र में नुकसान उठाना पड़ा है।

इमरजेंसी लगाने वाले संविधान पर प्यार न जताएं: मोदी

इस बार दूसरी इमरजेंसी से बचने के लिए जनता ने वोट किया:चिदंबरम

नई दिल्ली (एजेंसी)। इमरजेंसी की मंगलवार को 49वीं बरसी थी। इससे एक दिन पहले 18वीं लोकसभा के पहले सत्र में विपक्षी सांसदों ने संविधान की कॉपी लेकर शपथ ली थी। इसे लेकर प्रधानमंत्री ने कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि इमरजेंसी लगाने वालों को संविधान पर प्यार जताने का अधिकार नहीं है। पीएम मोदी ने एक के बाद एक एक्स पर चार पोस्ट किए। उन्होंने कहा जिस मानसिकता की वजह से इमरजेंसी लगाई गई, वह आज भी इसी पार्टी में जिंदा है। इसके जवाब में कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने कहा कि देश को दूसरी इमरजेंसी से बचाने के लिए जनता से इस बार वोट किया है। हमारे संविधान ने ही जनता को आने वाली एक और इमरजेंसी रोकने की याद दिलाई है। चिदंबरम ने कहा कि जनता ने इस लोकसभा

चुनाव में भाजपा के मंसूबों को कम करने के लिए वोट किया है। जनता ने इस तरह का मतदान कर कहा है कि कोई भी शासक संविधान के मूल ढांचे को नहीं बदल सकता है। भारत एक लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष देश बना रहेगा। कांग्रेस नेता भूपेश बघेल ने कहा कि इंदिरा गांधी में साहस था। उन्होंने घोषित आपातकाल लगाया था, लेकिन देश में 10 साल अघोषित आपातकाल लगा हुआ है। किसान शहीद हो रहे हैं, मीडिया को दबा दिया गया है। विपक्ष के लोग अगर सवाल करते हैं तो उन्हें जेल भेज दिया जाता है। पीएम मोदी ने कहाकि इमरजेंसी के समय जो भी कांग्रेस से असहमति जताता था उसे प्रताड़ित किया जाता था। सामाजिक रूप से इस तरह की नीतियां लागू की गईं, जिससे सबसे कमजोर वर्गों को निशाना बनाया जा सके।

हादसा बेहद गंभीर था, पर हमारे भी हाथ बंधे हैं

पुणे पोर्श कार हादसे पर बोला बॉबे हाईकोर्ट, दे दी नाबालिग को जमानत

पुणे (एजेंसी)। पुणे के कल्याणी नगर में 19 मई की रात तेज रफ्तार पोर्श कार से दो इंजीनियरों को कुचलने के आरोपी नाबालिग को बॉम्बे हाई कोर्ट ने जमानत दे दी है। अदालत ने कहा हादसा बेहद गंभीर है लेकिन हमारे भी हाथ बंधे है। हम नाबालिग को ज्यादा दिन जेल में नहीं रख सकते हैं। आरोपी लड़के को हादसे के 15 घंटे के बाद ही जूवेनाइल जस्टिस बोर्ड ने निबंध लिखने की शर्त पर जमानत दे दी थी। जब बोर्ड के फैसले पर विवाद हुआ, तब उसे दोबारा हिरासत में लिया गया। इस केस में नाबालिग लड़के पिता विशाल अग्रवाल और मां शिवानी भी जेल में हैं। बच्चे के पिता पर आरोप है कि उन्होंने नियमों को दरकिनार कर बच्चे को पोर्श कार की चाबी दी थी, जबकि उसकी मां पर ब्लड सैंपल स्वैपिंग करने का आरोप है। इस मामले में ब्लड सैंपल बदलने वाले डॉक्टरों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की गई है। आरोपी नाबालिग ने 19 मई की रात दोस्तों के साथ पुणे के पब में पार्टी की थी। पार्टी के बाद वह अपनी 2.5 करोड़ की पोर्श कार को ड्राइव करने लगा। कल्याणी नगर में उसकी तेज रफ्तार कार ने एक बाइक को टक्कर मार दी। इस टक्कर के बाद बाइक पर बैठे इंजीनियरिंग प्रफेशनल अनीश और अश्विनी की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टक्कर के बाद बाइक पर बैठे दोनों प्रोफेशनल 20 फुट हवा में उछले और मौके पर ही दम तोड़ दिया। दोस्तों ने पुलिस को बताया कि हादसे के वक्त नाबालिग नशे में धुत था और वह 200 किमी प्रति घंटे की स्पीड से गाड़ी चला रहा था। आरोपी नाबालिग को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया, फिर उन्हें पुलिस अपने साथ ले गई।

स्वास्थ्य क्षेत्र में मध्यप्रदेश को शीर्ष में लाने के लिए पूरे मनोयोग से कार्य करें- उप मुख्यमंत्री शुक्ल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने भोपाल में राज्य स्तरीय दस्तक सह स्टॉप डायरिया अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य के विभिन्न पैरामीटर आईएमआर, एमएमआर, सीएमआर आदि में मध्यप्रदेश को शीर्ष स्तर में ले जाने के लिए स्वास्थ्य विभाग के अमले को पूरे मनोयोग से कार्य करना होगा।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि नौनिहालों की स्वास्थ्य सुरक्षा के इस अभियान को जन आंदोलन बनाना होगा और समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित करनी होगी। हर नागरिक, हर क्षेत्र तक गुणवत्तापूर्ण सेवाओं की पहुँच और उपलब्धता के लिए सतत प्रयास जारी उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश में योग्यता की कमी नहीं है। विभाग को निरंतर सशक्त किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में संसाधनों की कमी नहीं है। स्वास्थ्य विभाग में आगामी 6 महीने में 30 हज़ार पदों पर भर्ती की जाएगी। मध्यप्रदेश

के हर नागरिक, हर क्षेत्र तक गुणवत्तापूर्ण सेवाओं की पहुँच और उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए हम सतत प्रयासरत हैं। उप मुख्यमंत्री ने अपील की है कि मेडिकल प्रोफेशनल ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी सेवाऐं देनें के बारे में सोचे। आवश्यक सुविधाओं के लिए विभागीय स्तर पर सतत मंथन किया जा रहा है और सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने दस्तक अभियान की सफलता के लिए स्वास्थ्य विभाग के अमले और सहयोगी विभागीय कार्यकर्ताओं और मैदानी अमले को शुभकामनाएँ दीं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा से आपातकाल में दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों को उत्कृष्ट सेवाएँ मुहैया कराने का प्रयास किया गया है।

एयर एम्बुलेंस सेवा का आवश्यकतानुसार उपयोग सुनिश्चित करने लिए विभागीय अधिकारियों और प्रशासनिक अधिकारियों को जागरूकता लाने के निर्देश दिये गये हैं। तृतीयक स्वास्थ्य सेवाएँ ग्रामीण अंचल में उपलब्ध कराने के लिए अधोसंरचनात्मक विकास और मैनपॉवर उपलब्धता के सतत प्रयास किए जा रहे हैं। उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने अभियान से संबंधित जन जागरूकता सामग्री का विमोचन किया। कार्यक्रम में दस्तक अभियान की गतिविधियों और उपलब्धियों पर आधारित डाक्यूमेंट्री फ़िल्म का प्रदर्शन किया गया। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, एमडी एनएचएम श्रीमती प्रियंका दास, संचालक आईईसी श्रीमती रचना दुबे, संचालक महिला एवं शिशु स्वास्थ्य श्रीमती अरुणा कुमार सहित समस्त ज़िलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने सिंग्रामपुर में उप-स्वास्थ्य केन्द्र का किया शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में यह यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सुदूर गांवों में स्वास्थ्य सुविधाएँ शीघ्र उपलब्ध हो। इसके मद्देनज़र सिंग्रामपुर में बेहतरीन उप स्वास्थ्य केंद्र बनकर तैयार हुआ है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि केंद्र में सभी सुविधाएँ उपलब्ध हो यह सुनिश्चित करें। मंत्री श्री लोधी ने कहा कि वास्तव में यह स्वास्थ्य केंद्र सिंग्रामपुर पर बहुत जरूरी था। इसके अतिरिक्त 6 उप स्वास्थ्य केंद्र स्वीकृत करवाए गये है। दो बड़े प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एक चोपरा और एक तारादेही जो की तीन-तीन करोड़ की लागत से बन रहे हैं। मंत्री श्री लोधी ने कहा कि जबेरा और तेंदूखेड़ा दोनों ब्लॉकों को मिलाकर 13 और उप स्वास्थ्य केन्द्र स्वीकृत कराए गए हैं जो लगभग 63-63 लाख रुपए की लागत से बनकर तैयार होंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सर्वांगीण विकास का प्रदेश बनेगा इसके लिए हम सभी संकल्पित हैं।

गबन के आरोपी की शासकीय सेवा समाप्त

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। आयुक्त, नगरीय विकास एवं आवास श्री भरत यादव ने गंभीर कदाचरण और शासकीय राशि के गबन के आरोपों की प्रामाणिकता के आधार पर नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय के निलंबित सहायक वर्ग-3 श्री रामसिंह रायपुरिया को शासकीय सेवा से पृथक करने के आदेश जारी किए हैं। विभागीय जांच प्रतिवेदन के आधार पर श्री रायपुरिया को सेवा से पृथक करने की करने की कार्रवाई की गई है। श्री रायपुरिया द्वारा गबन की गई शासकीय राशि, जिसकी वूसली हितग्राही खाताधारकों से नहीं की जा सकेगी, उसकी भरपाई सेवा शर्तों के अनुसार भू-राजस्व के बकाया की भांति वसूली योग्य होगी। विभागीय जांच प्रतिवेदन में प्रमाणित किया गया है कि श्री रायपुरिया द्वारा ही कुल 33 कूटरचित पत्र तैयार करते हुए एवं तत्कालीन संयुक्त संचालक और अपर संचालक श्री अनिल कुमार गोंड के कूटरचित हस्ताक्षर का उपयोग करते हुए 7 करोड 59 लाख 51 हजार की राशि स्वयं व अपने रिश्तेदारों के खातों में हस्तांतरित कर शासकीय राशि का गबन किया है। गौरतलब है कि श्री रायपुरिया द्वारा नगरीय विकास एवं आवास संचालनालय के माध्यम से नगरीय स्थानीय निकायों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए संचालित राष्ट्रीय पेंशन योजना के भारतीय स्टेट बैंक की शाखा लिंक रोड 1 में संधारित बचत खाते से कूटरचना कर राशि स्वयं, अपने रिश्तेदारों एवं अन्य व्यक्तियों के खाते में हस्तांरित कर शासकीय राशि का गबन किया गया था। श्री रायपुरिया के विरूद्ध दिसम्बर 2022 में भारतीय दण्ड संहिता 1860 की धारा 406,409, 420, 467, 468 एवं 471 के अंतर्गत एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसके सम्बन्ध में आपराधिक प्रकरण जिला एवं सत्र न्यायालय, भोपाल में प्रचलित है। श्री रायपुरिया वर्तमान में केंद्रीय कारागार भोपाल में निरुद्ध हैं।

प्रदेश के पहले रेंडरिंग प्लांट की पांच करोड़ की मशीनों में जम रही धूल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। रेंडरिंग प्लांट जिससे मृत पशुओं के मांस वेस्ट का निष्पादन होता है। उस प्लांट का निर्माण प्रदेश में सबसे पहले भोपाल में नगर निगम द्वारा करवाया गया। इसको बनकर तैयार हुए करीब चार महीने हो चुके हैं, लेकिन अब तक प्लांट को चालू करने के लिए बिजली का कनेक्शन नहीं हो सका है। इसके चलते प्लांट पर लगाई गई पांच करोड़ की मशीनों पर धूल जमने लगी हैं। यह स्थिति निगम के स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) के अफसरों की लापरवाही के कारण बनी है। शहर में रोजाना 25 टन मांस वेस्ट निकलता है। चिकन मटन की दुकानों और स्लाटर हाउस से तो आसानी से इसका कलेक्शन हो जाता है, लेकिन फिश मार्केट से इसे उठाने के लिए निगम के कर्मचारी लगते हैं। वहीं निगम के कचरा वाहन भी गीला-सूखा कचरा ट्रांसफर स्टेशन भेजने के बाद इस वेस्ट को उठाते हैं। फिर इसे आमदपुर छावनी भेजा जाता है। चूंकि अभी प्लांट शुरू नहीं हुआ है। इस कारण मृत पशुओं को जमीन में दफना दिया जाता है। प्लांट के चालू होने के बाद यह समस्या हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी।

भोपाल में छह राज्यों के शिक्षक जादुई पिटारे से सीखेंगे खेल-खेल में पढ़ाने के गुर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नई शिक्षा नीति में स्कूली स्तर पर खेल- खेल में शिक्षा देने पर जोर है। इसी को देखते हुए एनसीईआरटी द्वारा जादुई पिटारा नामक किट (खेल-आधारित शिक्षण संसाधन प्रणाली) का निर्माण किया गया। यह किट गत वर्ष लांच की जा चुकी है, लेकिन इसके बारे में अभी शिक्षकों को ज्यादा जानकारी नहीं है। जादुई पिटारा से जुड़ने एवं संसाधनों के आधार पर नवाचार करते हुए वर्तमान शिक्षा सत्र से इसके दक्षतापूर्वक क्रियान्वयन व संचालन के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (आरईआइ), श्यामला हिल्स में 23, 24 और 26 जुलाई को किया जाएगा। इस कार्यशाला में मध्य प्रदेश समेत छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात, गोवा, दमन-दीव और नागर हवेली के डाइट के प्राचार्य और स्कूलों के रिसोर्स पर्सन भाग लेंगे। यहां से सीखकर यही लोग अपने-अपने जिलों के शिक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे। क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल के कला विशेषज्ञ सुरेश मकवाना ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य प्राथमिक शाला के शिक्षकों का प्रोत्साहन और उन्हें अवसर उपलब्ध कराना है, ताकि वे बच्चों को इसके माध्यम से बेहतर तरीके से सिखा सकें।

नर्सिंग कॉलेजों के लिए नियामक आयोग गठन जल्द

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नर्सिंग कॉलेजों में फर्जीवाड़ा सामने आने के बाद सरकार अब नियामक आयोग बनाने जा रही है। पिछले दिनों एक समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इसकी घोषणा की थी।

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने इसका ड्राफ्ट तैयार कर लिया है। सामान्य प्रशासन विभाग और विधि विभाग ड्राफ्ट का परीक्षण कर अपनी राय देंगे। इसके बाद इसे अंतिम रूप दिया जाएगा। एक जुलाई से शुरू होने जा रहे मानसून सत्र के दौरान ही इसे कैबिनेट में प्रस्तुत करने की तैयारी है। कैबिनेट से स्वीकृति के बाद केंद्र के इंडियन नर्सिंग काउंसिल (आईएनसी) एक्ट के अनुरूप राज्य सरकार अपने नियम बनाएगी। इन्हीं नियमों के अनुरूप नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता जारी की जाएगी। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आईएनसी ने एक्ट तैयार कर लिया है। इसके अनुरूप में ही प्रदेश में नियामक आयोग का गठन किया जाएगा। आयोग का काम मुख्य रूप से निगरानी का रहेगा। कॉलेजों की मान्यता के पहले उनकी जांच करने वाले दलों का गठन कैसे हो, निरीक्षण किस अवधि में किया जाए। कॉलेज गड़बड़ी करते हैं तो उनके विरुद्ध क्या और किसे कार्रवाई का अधिकार होगा। इन सभी विषयों पर काम करेगा।

परीक्षा कराने का काम नर्सिंग काउंसिल का रहेगा। अधिकारियों ने बताया कि जब तक नए नियम नहीं बनते तो 2024-25 के सत्र में कॉलेजों को मान्यता आईएनसी द्वारा तैयार किए जा रहे नियम और मापदंडों के अनुसार ही दी जाएगी। 2023-24 में प्रदेश में किसी नए नर्सिंग कालेज को मान्यता नहीं दी गई थी। इस सत्र से मान्यता देने की तैयारी है। बता दें कि 2018 के पहले तक आईएनसी के नियम ही चल रहे थे, पर इसके बाद राज्य सरकार ने मान्यता को लेकर अपने नियम बना लिए थे। इसके बाद से नर्सिंग संस्थाओं में फर्जीवाड़ा शुरू हुआ।

श्रमिक पीठों और रैन बसेरों के बाद बस्ती क्षेत्रों में होंगे सामुदायिक स्वास्थ्य शिविर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। श्रमिक पीठों और रैन बसेरों में शिविर आयोजन के बाद स्वास्थ्य विभाग भोपाल द्वारा एक और पहल करते हुए शहरी बस्ती क्षेत्रों में सामुदायिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जायेंगे। 27 जून से प्रारंभ हो रहे ये शिविर सप्ताह के प्रत्येक गुरुवार को निर्धारित बस्ती क्षेत्र में आयोजित होंगे। भोपाल जिले में इसके पूर्व श्रमिक पीठों पर एवं रैन बसेरे में भी विशेष शिविर आयोजित किए गए थे, जिनके परिणाम बेहद उत्साहजनक रहे थे। इन शिविरों के माध्यम से 30 हजार से अधिक हितग्राहियों को विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं से लाभान्वित किया गया था। सामुदायिक शिविरों के माध्यम से बस्ती क्षेत्र में रहने वाले लोगों को उनके निवास क्षेत्र में ही स्वास्थ्य की सभी सेवाएं समग्र रूप से मिल सकेंगी। इन शिविरों को बीमारियों के चिन्हांकन एवं उपचार तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि रेफरल एवं रेफरल पश्चात फॉलोअप भी सुनिश्चित किया गया है। ये शिविर भोपाल की 60 बस्तियों में 18 जुलाई तक आयोजित किए जा रहे हैं, जिनको आगामी माह में अन्य क्षेत्रों में भी किया जावेगा। इन शिविरों में हितग्राहियों का स्वास्थ्य परीक्षण, निःशुल्क जांच एवं दवा वितरण, असंचारी रोगों की स्क्रीनिंग, एएनसी जांच, हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं का चिन्हांकन, कुपोषित बच्चों का चिन्हांकन एवं रेफरल, आभा आईडी एवं आयुष्मान कार्ड बनाना एवं ई केवाईसी, नियमित टीकाकरण, जापानी इंसेफेलाइटिस टीकाकरण एवं वयस्क बीसीजी टीकाकरण की सेवाएं दी जाएंगी। शिविरों में मेडिकल ऑफिसर, फार्मासिस्ट, स्टाफ नर्स, सुपरवाइजर, डाटा एंट्री ऑपरेटर , ए एन एम एवं आशा के निर्धारित दायित्वों को सुनिश्चित किया गया है। शिविरों में सभी गर्भवती महिलाओं की 100त्न ए एन सी जांच, प्रथम तिमाही में पंजीयन एवं अपडेशन सुनिश्चित किया जाएगा। इस दौरान गर्भवती महिलाओं की समग्र आईडी, बैंक खाता आईएफएससी कोड सहित सभी जानकारी भी प्रविष्ट भी की जाएगी।

परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों के उत्थान के लिए प्रतिबद्धता से हो रहा क्रियान्वयन-आयुष मंत्री परमार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के लोगों के जीवन को स्वथ्य और बेहतर बनाने में स्वस्थ भारत मिशन की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इस मिशन की सफलता के लिए आधुनिक चिकित्सा पद्धति के साथ साथ परंपरागत चिकित्सा पद्धति को भी आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। कोरोना संकटकाल में परंपरागत चिकित्सा पद्धति ने समाज में अपनी उपयोगिता सिद्ध की हैं। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने सोमवार को पं. खुशीलाल शर्मा आयुर्वेद संस्थान के सभागार में राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग, नई दिल्ली द्वारा आयुष्मान भारत डिजिटल

मिशन की स्वास्थ्य सेवा व्यवसायी पंजीयिका विषय पर प्रायोजित एक दिवसीय कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर कही। मंत्री श्री परमार ने कहा कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन का उद्देश्य देश के प्रत्येक नागरिक को एक व्यापक डिजिटल स्वास्थ्य बुनियादी ढांचा प्रदान करना, स्वास्थ्य सेवा सस्ती-सुलभ करना और नागरिकों के डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड की सुविधा उपलब्ध कराना है। समस्त रोगों के उपचार की सुविधा उपलब्ध कर कम समय में अधिक उपयोगी एक मंच उपलब्ध कराना आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन का लक्ष्य है। श्री परमार ने अपील करते हुए कहा कि सभी पंजीकृत आयुष चिकित्सक, स्वास्थ्य संस्थान एवं नागरिक आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन में अपना पंजीकरण कर स्वस्थ भारत के संकल्प की पूर्ति में सहभागिता करें। भारत को 2047 तक स्वस्थ भारत, विकसित भारत बनाने के संकल्प में यह मिशन, मील का पत्थर सिद्ध होगा। श्री परमार ने कहा कि होम्योपैथी जैसी परंपरागत चिकित्सा पद्धति के उत्थान के राज्य सरकार प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। आमजन को सस्ता एवं उत्तम उपचार देना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। श्री परमार ने कार्यशाला के आयोजन के लिए बधाई भी दी।

उन्होंने कहा कार्यशालाओं के आयोजन का लाभ सम्पूर्ण प्रदेश को मिलेगा।

कंट्रोल रूम स्थापित कर हेल्पलाइन नंबर जारी करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देश पर सोमवार को एडीएम श्री हिमांशु चंद्र की अध्यक्षता में मानसून पूर्व बाढ़ और प्राकृतिक आपदा की तैयारियों के संबंध में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में एडीएम श्री चंद्र ने सभी संबंधित विभागों द्वारा बाढ़ आपदा के दौरान किए जाने वाले कार्यों और अब तक की गई तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि मानसून के दौरान किसी भी प्रकार की आपदा उत्पन्न न हो, इस लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए सभी विभाग अपनी-अपनी तैयारियाँ पूरी कर लें। एडीएम श्री चंद्र ने सभी मुख्य विभागों के अधिकारियों को जोड़कर आपदा प्रबंधन के आदान-प्रदान समय पर हो सके और संबंधित अधिकारी समय-सीमा में कार्यवाही कर सकें। इसके अलावा एडीएम श्री चंद्र ने जिला प्रशासन, नगर निगम, पुलिस विभाग और एसडीआरएफ़ को कंट्रोल रूम स्थापित कर हेल्पलाइन नंबर जारी करने के निर्देश भी दिए, ताकि आपदा की स्थिति में आम जनता को सहायता प्राप्त हो सके। बैठक के दौरान सभी अनुविभागों के एसडीएम, तहसीलदार, नगर निगम, एसडीआरएफ़, पीडब्ल्यूडी, स्वास्थ्य एवं अन्य विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहें।

श्री अंकुर मेश्राम इनसीडेंट रिपोर्टिंग ऑफिसर नियुक्त

भोपाल। जिले में होने वाली आकस्मिक दुर्घटनाओं, प्राकृतिक आपदाओं, विपदाओं की जानकारी के लिए राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के स्टेट कमाण्ड एण्ड कंट्रोल सेंटर को तत्काल देने के लिए श्री अंकुर मेश्राम अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी मुख्यालय-2 भोपाल, मोबाइल नम्बर-8889566559, ईमेल आईडी-इनसीडेंट रिपोर्टिंग ऑफिसर नियुक्त किया है।

29 जून तक रवीन्द्र भवन में होंगी गायन, वादन एवं नृत्य के ख्यातिलब्ध कला गुरूओं की प्रस्तुतियां

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश, देश की संगीत विरासत का वास्तविक प्रतिनिधि है और इस बात से युवा पीढ़ी को अवगत कराने और अपनी संस्कृति के प्रति जागरूक कराने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग तथा संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली गायन, वादन एवं नृत्य को समर्पित ''प्रणति'' का आयोजन भोपाल में करने जा रहे हैं।

संचालक, संस्कृति संचालनालय श्री एन.पी. नामदेव ने बताया कि इस आयोजन में देश के ख्यातिलब्ध कला गुरू अपनी सुदीर्घ कला साधना को प्रस्तुत करेंगे। एक दशक में यह पहला अवसर होगा जब एक मंच पर कई पद्म पुरस्कार प्राप्त

कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे, संस्कृति विभाग का यह प्रयास है कि भोपाल के सुधिजन कला गुरूओं की सुदीर्घ साधना से परिचित हो सकें और प्रदेश के सुरीले सांस्कृतिक वातावरण में एक नया सुर जोड़ा जा सके। भोपाल एवं मध्यप्रदेश के लिये यह विशिष्ट आयोजन होगा, जब एक मंच पर देश के जाने-माने कलाकारों की प्रस्तुति देखना अविस्मरणीय अनुभव होगा। यह आयोजन रवींद्र भवन स्थित अंजनी सभागार में प्रतिदिन सायं 6ः30 बजे से होगा। उन्होंने बताया कि 25 जून से प्रारम्भ हो रहे इस आयोजन में पहले दिन प्रख्यात सरोद वादक श्री अमान-अयान अली बंगश, दिल्ली का सरोद वादन होगा। इसके बाद श्री विनायक तोरवी, कर्नाटक का शास्त्रीय गायन होगा। अगली प्रस्तुति विश्वविख्यात सितार वादक श्री नीलाद्रि कुमार, मुम्बई की सितार वादन की होगी। पहले दिन की अंतिम प्रस्तुति सुश्री प्रेरणा श्रीमाली, जयपुर की कथक नृत्य की होगी। 26 जून को सुप्रसिद्ध लोकगायिका पद्मश्री मालिनी अवस्थी, लखनऊ का शास्त्रीय गायन होगा। इसके बाद जाने-माने कलाकार पद्म भूषण श्री विश्वमोहन भट्ट एवं श्री सलिल भट्ट का मोहन वीणा/सात्विक वीणा वादन की सभा सजेगी। अंत में सुश्री शुभदा वराडकर, मुम्बई का ओडिसी नृत्य होगा। 27 जून को पहली प्रस्तुति सुश्री सुधा रघुनाथन, बेंगलुरू की शास्त्रीय गायन की होगी। इसके बाद श्री रूपक कुलकर्णी, मुम्बई की बांसुरी वादन की सभा सजेगी।

सरकारी स्कूलों में तीसरी से आठवीं तक के बच्चों का होगा मासिक मूल्यांकन, 10 अंक के होंगे प्रश्नपत्र

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले पहली से आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों का अब सतत व्यापक मूल्यांकन होगा। इसके तहत अब मासिक मूल्यांकन भी किया जाएगा। इसके आधार पर विद्यार्थियों का हर माह सीखने की क्षमता का आकलन होगा। इसके आधार पर कमजोर विद्यार्थियों पर विशेष फोकस किया जाएगा। इसमें पहली व दूसरी कक्षा के बच्चों का मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक (एफएलएन) आधारित साप्ताहिक आकलन विषयवार किया जाएगा। इसमें बच्चों को अभ्यास पुस्तिका दी जाएगी। इसमें किए गए कार्यों से ही आकलन होगा। वहीं तीसरी से आठवीं तक के विद्यार्थियों का मासिक मूल्यांकन होगा। इस संबंध में राज्य शिक्षा केंद्र ने पहली से आठवीं कक्षा के लिए सतत व्यापक मूल्यांकन के लिए दिशा-निर्देश जारी कर दिए है । इसमें प्रत्येक विषय के लिए 10-10 अंकों के लर्निंग आउटकम्स आधारित गुणवत्ता युक्त प्रश्नपत्र दिया जाएगा।

मूल्यांकन के लिए मौखिक प्रश्नों को शामिल किया जाएगा। मासिक मूल्यांकन अगस्त, सितंबर, दिसंबर व जनवरी में होगा। इसमें विद्यार्थियों के प्राप्तांकों के आधार पर ग्रेड दिया जाएगा। इसमें मासिक मूल्यांकन की उत्तरपुस्तिकाओं का प्रश्नवार एवं छात्रवार विश्लेषण कर लर्निंग गैप्स की पहचान की जाएगी एवं स्कूलों में विशेष कक्षाएं लगाकर कमियों को पूरा कराया जाएगा। इसके अलावा विद्यार्थियों के शैक्षिक के साथ-साथ व्यक्तिगत एवं सामाजिक गुणों का मूल्यांकन भी होगा। इसमें अनुशासन, साफ-सफाई, कक्षा में शिक्षकों व दोस्तों से व्यवहार सहित अन्य गतिविधियों का भी आकलन किया जाएगा। इसका उल्लेख बच्चों के समग्र प्रगति पत्रक पर किया जाएगा, जिसमें मासिक मूल्यांकन के ग्रेड को भी लिखा जाएगा। पहली व दूसरी कक्षा के बच्चों का छमाही परीक्षा नहीं ली जाएगी। तीसरी से आठवीं तक के बच्चों की छमाही परीक्षा नवंबर के अंत में ली जाएगी । इसमें प्रत्येक विषय में लिखित पेपर 60 अंक का होगा और 40 अंक का प्रोजेक्ट वर्क का होगा। इसके प्रश्नपत्र राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा तैयार किए जाएंगे। इसके बाद पहली से चौथी और छठवीं व सातवीं कक्षा का वार्षिक मूल्यांकन भी होगा। इसमें 33 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य होगा। तीसरी व चौथी और छठवीं व सातवीं का रिजल्ट विषयवार मासिक टेस्ट में (अधिकतम अंक 40) का अधिभार 10 अंक, छमाही परीक्षा (अधिकतम अंक 60) अधिभार 20 अंक और वार्षिक लिखित परीक्षा (अधिकतम अंक 60) के प्राप्तांक और प्रोजेक्ट कार्य (अधिकतम अंक 40) का अधिभार 10 अंक को जोड़कर तैयार किया जाएगा।

पुलिस ने नशे के विरुद्ध जिले में चलाया जन जागरूकता अभियान, किया जागरूक

सीधी को नशा मुक्त बनाने में आपका सहयोग अपेक्षित, दें जानकारी : पुलिस अधीक्षक

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस आज है, जिसके लिए पुलिस अधीक्षक डॉ. रविन्द्र वर्मा के निर्देशन में जिले के समस्त थाना चौकी प्रभारियों के नेतृत्व में जिले भर में नुक्कड़ नाटक, चौपाल, बैनर पोस्टर लगाकर स्कूल कॉलेज मे जाकर लोगों को नशे के विरुद्ध जागरूक किया जा रहा है। जिस तारतम्य में मंगलवार को जिले में विभिन्न जगह नशामुक्ति के संबंध में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मिली जानकारी के आधार पर थाना प्रभारी चुरहट पुष्पेंद्र मिश्रा के नेतृत्व में चुरहट पुलिस द्वारा थाना अंतर्गत महाविद्यालय में नशामुक्ति के सम्बन्ध में जन जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया जिसमे उनि देवेंद्र पाण्डेय सहित महाविद्यालयीन छात्र छात्राये एवं शिक्षक उपस्थित रहे। थाना प्रभारी बहरी रीता त्रिपाठी के नेतृत्व में बहरी पुलिस द्वारा थाना अंतर्गत बहरी उच्चतर विद्यालय में उपस्थित छात्र छात्राओं एवं शिक्षको को एवं बहरी बाजार में चौपाल लगाकर नशामुक्ति के बारे मे जागरूक किया गया। थाना प्रभारी रामपुर नैकिन सुधाशु तिवारी के नेतृत्व में रामपुर नैकिन पुलिस द्वारा थाना अंतर्गत पीपल तिराहा में चौपाल लगाकर नशामुक्ति के बारे मे जागरूक किया जाकर उपस्थित लोगो को नशे से दूर रहने की सपथ दिलाई गई। थाना प्रभारी भुईमाड़ तेजभान सिंह के नेतृत्व में भुईमाड़ पुलिस द्वारा थाना अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में उपस्थित छात्र छात्राओं एवं शिक्षको को नशामुक्ति के बारे मे जागरूक किया गया।

थाना प्रभारी जमोड़ी उनि विशाल शर्मा के नेतृत्व में जमोड़ी पुलिस द्वारा थाना अंतर्गत बस स्टैण्ड स्थित अबोध स्कूल में उपस्थित छात्र छात्राओं एवं शिक्षको को नशामुक्ति के बारे मे जागरूक किया गया। थाना प्रभारी कुसमी उनि भूपेश बैस के नेतृत्व में कुसमी पुलिस द्वारा थाना अंतर्गत सीएम राईज स्कूल कुसमी में उपस्थित छात्र छात्राओं एवं शिक्षको को नशामुक्ति के बारे मे जागरूक किया जाकर नशे से दूर रहने की सपथ दिलाई गई। उप निरीक्षक गंगा सिंह मार्को के नेतृत्व में हायर सेकेण्डरी स्कूल खड्डी में उपस्थित छात्र छात्राओं एवं शिक्षको को नशामुक्ति के बारे मे जागरूक किया गया। उप निरीक्षक प्रीति वर्मा के नेतृत्व में चौकी पथरौला थाना मझौली पुलिस द्वारा पूर्व माध्यमिक विद्यालय में उपस्थित छात्र छात्राओं एवं शिक्षको को नशामुक्ति के बारे मे जागरूक किया गया। उप निरीक्षक विवेक द्विवेदी के नेतृत्व में चौकी पिपराव थाना रामपुर नैकिन पुलिस द्वारा अल्ट्राटेक स्कूल पिपरांव में उपस्थित छात्र छात्राओं एवं शिक्षको को नशामुक्ति के बारे मे जागरूक किया गया। उप निरीक्षक डीडी. सिंह के नेतृत्व में यातायात थाना पुलिस द्वारा शहर के विभिन्न चौराहो मे नशामुक्ति एवं यातायात नियमो के बारे मे बैनर पोस्टर के माध्यम से जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में शामिल हुये छात्र छात्राओं एवं उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हुए नशे के कारण होने वाले नुकसान के बारे मे बताया गया। गौरतलब है कि नशीले पदार्थों का समाज में तेजी से चलन बढ़ रहा है। जिसकी चपेट में नवयुवक आ रहे हैं। युवाओं में विशेष कर स्कूल कॉलेज के छात्र.छात्राओं में नशे की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। नशा एक ऐसा पदार्थ है जिसके प्रयोग से मानव शरीर खोखला हो जाता है। शरीर की ताकत नशे की भेंट चढ़ जाने के कारण कैंसर, जिगर का खराब होना, फेफडों, दिल की बीमारी, शरीर का कमजोर होना, याददाश्त कमजोर होना, एड्स, मानसिक रोग आदि की बीमारी शरीर में घर कर सकती है। नशे की आदत एक बीमारी है। ज्यादातर सामाजिक, मानसिक तथा आर्थिक रूप से कमजोर लोक ही इसका शिकार होते हैं। इस लिए उनसे सहानुभूतिपूर्ण रवैया अपनाना चाहिए। नशे में फंसे व्यक्ति का मनोबल बढ़ाना चाहिए तथा इलाज के लिए प्रेरित करना चाहिए। साथ ही यह प्रवृत्ति इनको अपराध घटित करने के लिए भी प्रेरित करती है। आने वाले पीढ़ी को नशे से दूर कर एक सुनहरा भारत बनाने के लिए सीधी पुलिस ने यह पहल की है।

पुलिस अधीक्षक की आमजनो से अपील –

डॉ.रविन्द्र वर्मा पुलिस अधीक्षक जिला सीधी ने आमजनो से अपील की है कि आप अपने आस.पास के लोगो को नशे से होने वाले नुकसान के बारे बताये एवं नशीले पदार्थ बेचने वाले लोगो की जानकारी पुलिस को दे जिससे सीधी जिले को नशामुक्त जिला बनाया जा सके।

पुलिस ने 45 हजार रूपए का गांजा एवं 56 लीटर मदिरा की जप्त

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। पुलिस अधीक्षक डॉ. रविंद्र वर्मा के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में प्रदेश स्तर पर चल रहे नशामुक्ति अभियान के तहत जिले भर में जनजागरूकता कार्यक्रम के साथ साथ जिले भर में चले इस अभियान में संबंधित अनुभाग के अनुविभागीय अधिकारी पुलिस के नेतृत्व में नशामुक्ति अभियान के दौरान अवैध मादक प्रदार्थो के परिवहन भण्डारण एवं विक्रय करने वालो एवं सार्वजनिक स्थलो पर इसके सेवन करने वालो के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में एनडीपीएस एक्ट के अन्तर्गत 4 अलग.अलग मामलो में कार्यवाही करते हुये 26200 हजार रूपए कीमती 2.620 किग्रा गांजा एवं 18285 रूण् कीमती 56 लीटर अंग्रेजी देशी प्लेन शराब कुल कीमती 44,485 रूपए जप्त कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के आधार पर थाना प्रभारी चुरहट द्वारा एक प्रकरण में 7500 रूपए कीमत का 750 ग्राम, थाना प्रभारी अमिलिया द्वारा 5250 रूपए कीमती 525 ग्राम, थाना प्रभारी मझौली द्वारा 6250 रू. कीमती 625 ग्राम एवं थाना प्रभारी जमोड़ी द्वारा 7200 रूपए कीमती 720 ग्राम कुल 2.620 किलोग्राम गांजा कीमती 26200 रूपए जप्त कर एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 बी का अपराध कायम किया जाकर विवेचना मे लिया गया। वहीं चौकी प्रभारी खड्डी उनि गंगा सिंह मार्को द्वारा मुखविर सूचना के आधार पर कार्यवाही करते हुये ग्राम बडेसर में आरोपी शिवानंद पाण्डेय उर्फ पप्पू पाण्डेय पिता अवधेश प्रसाद पाण्डेय निवासी चौगन्हा थाना रामपुर नैकिन जिला सीधी से 56 लीटर देशी प्लेन मदिरा कीमती 18285 रूपए जप्त कर आबकारी एक्ट की धारा 34/2 के तहत अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया है।

नशेड़ियो का होगा उपचार, हेल्पलाईन नंबर जारी– रविन्द्र वर्मा पुलिस अधीक्षक ने बताया कि नशा व्यक्ति के शारिरिक और मानसिक पतन का एक मुख्य कारण है। नशे के कारोबार को ध्वस्त व खत्म करने के लिए और जो नशे का आदी हैं, उसके उपचार में भी अभियान के तहत कार्य होंगे। किसी व्यक्ति के परिवार में या रिस्तेदारी में अगर नशे के आदी व्यक्ति है या फिर आपके आस पास कोई नशीली सामग्री बेचता है तो पुलिस द्वारा जारी हेल्पलाईन नंबर पर सूचित कर सकते है।

सात पटवारियों की वेतन वृद्धि रोंकने एवं हल्के में उपस्थित रहने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा तहसील गोपद बनास के राजस्व विभाग के कार्यों की पटवारी हल्कावार विस्तृत समीक्षा की गयी। सात पटवारियों के कार्यों में प्रगति संतोषजनक नहीं जाये जाने पर नोटिस जारी कर एक वेतन वृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने कहा कि विभागीय कार्यों में किसी भी प्रकार की उदासीनता या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। आगामी माह में कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावेगी।

कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि सभी पटवारी हल्के में निर्धारित दिवसों पर उपस्थित रहेंगे। इसकी जानकारी ग्रामवासियों को भी होनी चाहिए। राजस्व विभाग के मूल कार्यों के लिए किसी भी व्यक्ति को अनावश्यक भटकना नहीं पड़े। कलेक्टर ने सीमांकन, नामांतरण, बंटवारा के सभी मामलों में रिपोर्ट निर्धारित समय-सीमा में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निराकरण की जिम्मेदारी संबंधित पटवारी की होगी। कलेक्टर ने अभियान चलाकर आगामी एक माह में सभी प्रकार की पेंडेंसी समाप्त करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि समस्त राजस्व निरीक्षक पटवारियों के कार्यों का मूल्यांकन करेंगे तथा उन्हें आवश्यक सहयोग भी प्रदान करेंगे। कलेक्टर ने राजस्व वसूली के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं।

समीक्षा उपरान्त पटवारी अविनाश पण्डोरिया, प्रवीण शुक्ला, ऋषभ नापित, उर्मिला पटेल, विद्यावती कुशवाहा, अलोक द्विवेदी, एवं अतुल शर्मा की एक वेतन वृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकने हेतु नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए हैं।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राहुल धोटे, अपर कलेक्टर राजेश शाही, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, तहसीलदार जान्हवी शुक्ला, नायब तहसीलदार निवेदिता त्रिपाठी, साक्षी गौतम, अधीक्षक भू-अभिलेख रवि श्रीवास्तव सहित समस्त राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी उपस्थित रहें।

रीती पाठक ने कन्या महाविद्यालय को दी एक करोड़ के आडिटोरियम की सौगात, किया भूमिपूजन

बहनों की प्रतिभा का होगा विकास : रीती पाठक

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जब मैं लोकसभा की सांसद थी तब से लेकर अब तक कन्या महाविद्यालय की छात्राएं एवं कई सामाजिक संगठनों द्वारा सुंदर, भव्य और सर्व सुविधायुक्त ऑडिटोरियम की मांग की जा रही थी। आज वह मांग एक करोड़ सैतिस लाख से अधिक की लागत से बनने जा रहे ऑडिटोरियम से पूर्ण हो रही है। आज इसका भूमि पूजन करते हुए मुझे सीधी विधानसभा का विकसित मानचित्र दिखाई दे रहा है। उक्त आशय के विचार सीधी विधायक और लोकसभा की पूर्व सांसद रीती पाठक ने शासकीय कन्या महाविद्यालय परिसर में बनने वाली ऑडिटोरियम के भूमि पूजन समारोह में कहीं। जिसका उपस्थित जन समुदाय ने जोरदार तालियां बजाकर अभिनंदन किया। विधायक रीती पाठक ने कहा कि यह ऑडिटोरियम हमारे बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहभागी होगा और उनके व्यक्तित्व में निखार लाएगा। ऑडिटोरियम निर्माण कार्य में लगे कर्मचारियो से विधायक पाठक ने कहा कि ईमानदारी से भव्य सुंदर और सर्वश्रेष्ठ सुविधा युक्त ऑडिटोरियम का निर्माण करें। साथ ही इस महाविद्यालय के प्राचार्य, निर्माण कार्य की एजेंसी पी डब्लू डी, विद्यालय में अध्ययन छात्र-छात्राएं इसकी गुणवत्ता की भी निगरानी करते रहें। जिससे आपके सपनों को पंख लग सके।

रेलवे परियोजना का भी कार्य होगा जल्द पूर्ण: सीधी विधायक रीती पाठक ने अभी हाल ही संपन्न हुए लोकसभा चुनाव की सभी को बधाई देते हुए कहा कि रेलवे परियोजना का भी कार्य होगा जल्द ही पूर्ण होगा। सीधी विधायक रीती पाठक ने कहा कि जब मैं सांसद थी तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हमेशा आशीर्वाद प्रदान होता रहा। जिसके कारण सीधी में मेडिकल कॉलेज, रेल, इंजीनियरिंग कॉलेज और सड़क मार्ग को पर्याप्त पूंजी प्राप्त हुई और मैं उम्मीद करती हूं कि जल्द ही रेल परियोजना का काम पूर्ण होगा और सीधी वासियो को भी रेल यात्रा का आनंद सीधी से ही प्राप्त हो सकेगा।

विधायक के प्रयासों से हो रहा समग्र विकास-धर्मेंद्र सिंह: सीधी जनपद पंचायत के अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह परिहार ने कहा कि सीधी विधायक रीती पाठक के प्रयासों से विधानसभा का आज चौमुखी विकास हो रहा है। विकास की इसी कड़ी में आज इस ऑडिटोरियम का भूमि पूजन जो लगभग 1 वर्ष के अंदर पूरा हो जाएगा। विधायक पाठक ने विकास का एक खाका तैयार करते हुए, एक रोड मैप बनाते हुए जनता जनार्दन के विकास के लिए संकल्पित हैं। हम सभी विकास के इस पथ पर अग्रसर सीधी विधायक पाठक के साथ खड़े हैं। इस अवसर पर प्रमुख रूप से भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, प्रशासनिक अधिकारी, महाविद्यालय के प्राचार्य एवं अध्यापक के साथ-साथ बड़ी संख्या में महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

महाविद्यालय भूमि पर लगातार बढ़ रहा अतिक्रमण, छात्रों ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। संजय गांधी महाविद्यालय एवं कन्या महाविद्यालय के मुख्य द्वार के सामने रखें अतिक्रमण को मुक्त कराने को लेकर मंगलवार को छात्र नेता शिवम शुक्ला ने विधायक सीधी को ज्ञापन सौंपकर बताया कि आए दिन असमाजिक तत्वों द्वारा गोमती ठेलो में बैठकर छात्र छात्राओं को अभद्र टिप्पणी करते हैं। जिससे आए दिन भय का वातावरण बना रहता है। कन्या महाविद्यालय में गर्ल्स एन सी सी एम, अंग्रेजी एमएससी वनस्पति विज्ञान एमएससी गणित एम, होम साइंस विषयो की पीजी खोलने नया भवन की कमी बनी हुई है। जिसको लेकर छात्रों ने विधायक को ज्ञापन सौंपकर जल्द कार्यवाही करने की मांग की है। जिसको विधायक ने गंभीरता से लेते हुए जल्द कार्यवाही का आश्वासन दिया है।

इस अवसर पर खुशी सिंह आरती तिवारी प्रतिमा कोरी कल्पना सिंह रचना कोरी सुमन सिंह आरती कोरी कौसिल्या सिंह निखिल अदिति राव श्यामा दुबे प्रतिमा सिंह पूजा तिवारी सुमन पटेल सहित कई छात्राओं उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी की अध्यक्षता में डीएलसीसी की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कलेक्टर द्वारा स्वरोजगार योजनाओं के लक्ष्यों की विभागवार विस्तृत समीक्षा की गई। साथ ही जिले के सीडी रेशियो की भी समीक्षा की गई।

कलेक्टर श्री सोमवंशी द्वारा जिले के सीडी रेशियो में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसमें वृद्धि के लिए प्रयास करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि जिले के विकास में बैंकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। बैंक जिले में जितनी अधिक आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करते हैं उतनी ही तेजी से आर्थिक क्षेत्र में विकास होता है। कलेक्टर ने कहा कि सीधी जिले के परिवेश को दृष्टिगत रखते हुए प्राथमिकता सेक्टर को प्राथमिकता पर ऋण उपलब्ध कराएं।

कलेक्टर ने सभी संबंधित विभागों तथा बैंकर्स को आपसी समन्वय स्थापित कर स्वरोजगार योजनाओं के शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि ऐसे सभी प्रकरण जो स्वीकृत हैं उन्हे प्राथमिकता पर ऋण का वितरण किया जाना सुनिश्चित करायें। कलेक्टर ने कहा कि स्वरोजगार योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में हितग्राहियों को किसी भी प्रकार की कठिनाई या भटकाव नहीं होना चाहिए।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राहुल धोटे, अपर कलेक्टर राजेश शाही, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, आरबीआई तथा नाबार्ड के प्रतिनिधि, लीड बैंक मैनेजर जगमोहन सहित संबंधित विभागीय अधिकारी एवं बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 276 आवेदकों की समस्याएं निराकरण के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जनसुनवाई में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा जिले के विभिन्न अंचलों से आए 276 आवेदकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर शिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त की गई तथा उसके निराकरण के लिए निर्देश दिए गए। अनिराकृत आवेदनों के लिये समय-सीमा निर्धारित कर अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं।

जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राहुल धोटे, अपर कलेक्टर राजेश शाही, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

दिव्यांग उपकरण एवं ई-स्कूटर वाहन क्रय करने पर मिलेगा अनुदान

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। श्रम पदाधिकारी ने जानकारी देकर बताया है कि सहायक सचिव मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल भोपाल के पत्र 19 जून 2024 द्वारा प्रदेश के पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के लिए दो नवीन योजनाऐं लागू की गई हैं।

उन्होंने बताया कि भवन एवं अन्य सन्निर्माण दिव्यांग सहायता योजना 2024 में पंजीकृत हिताधिकारी निर्माण श्रमिक एवं उनके पंजीयन कार्ड में सम्मिलित आश्रित परिवार के सदस्य को मोटर चलित तिपहिया साईकल एवं अन्य सभी दिव्यांग उपकरण क्रय करने पर 100 प्रतिशत राशि (अधिकतम 35 हजार रूपये) मण्डल द्वारा अनुदान के रूप में प्रदाय की जायेगी। इसी प्रकार भवन एवं अन्य सन्निर्माण ई-स्कूटर हेतु अनुदान योजना 2024 में पंजीकृत हिताधिकारी निर्माण श्रमिक ई-स्कूटर वाहन क्रय किए गये वाहन का 50 प्रतिशत राशि (अधिकतम 40 हजार रूपये) मण्डल द्वारा अनुदान के रूप में प्रदाय की जायेगी।

उपरोक्त योजनाएं पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के लिए लागू की गई है।

द मेलोडी ऑफ साइलेंस का हुआ गरिमामय विमोचन

समाज को सही दिशा दिखाने हेतु डॉ अनिल ने लिखीं 12 पुस्तकें

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। संजय गांधी महाविद्यालय अंग्रेजी बिषय के प्राध्यापक डॉ अनिल कुमार सिंह सत्य प्रिय के कविता संग्रह द मेलोडी ऑफ साइलेंस का लोकार्पण ईमानदार एवं लोकप्रिय नेता नागेंद्र सिंह पूर्व सांसद खजुराहो, पूर्व मंत्री मध्य प्रदेश शासन एवं वर्तमान विधायक नागौद जिला सतना के द्वारा नागौद में किया गया। इस अवसर पर मानवता के संवाहक भारतीय संस्कृति के पक्षधर भारतीय जनता पार्टी के समर्थक सूर्यनारायण सिंह, शशि शेखर प्रताप सिंह एवं डॉक्टर सत्य कुमार सिंह बघेल की गरिमामय उपस्थिति में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस कविता संग्रह की विशेषता है कि यह अंग्रेजी की कविता वाली पुस्तक प्रो. अनिल सिंह के प्रिय शिष्यों डॉक्टर संजीव त्रिपाठी, डॉक्टर प्रमोद सिंह बघेल, डॉक्टर कृष्ण भूषण मिश्रा, डॉक्टर संजीव सिंह एवं डॉक्टर कृष्ण कुमार जायसवाल को समर्पित है और इस पुस्तक पर अपनी गरिमामय टिप्पणी सत्यप्रिय के ही एक यशस्वी शिष्य आदर्श सिंह द्वारा लिखी गई है। इस संग्रह में 51 कविताएं शामिल हैं। अधिकांश कविताओं का रंग आध्यात्मिक हैं लेकिन कुछ कविताएं जीवन के खुरदुरे यथार्थ को भी बखूबी रेखांकित करती है।

इस अवसर पर नागेंद्र सिंह ने कहा कि अच्छी पुस्तके जीवन और समाज को बदलने में अहम भूमिका निभाती हैं सत्यप्रिय की यह पुस्तक समाज के लिए उपयोगी होगी ऐसा मेरा विश्वास है, मैं इन्हे हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं। विमोचन में शामिल अतिथियों ने संग्रह के सुंदर शीर्षक और बहुमुखी प्रतिभा के धनी कवि सत्यप्रिय के लेखन की सराहना की। ज्ञात हो कि प्रो अनिल सिंह की अब तक 12 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं जिनमें अंग्रेजी और हिंदी के नव कविता संग्रह शामिल हैं। विगत दिनों भोपाल में आयोजित मध्य प्रदेश हिंदी साहित्य सम्मेलन के गरिमामय समारोह में इन्हें कविता में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रथम मणिदीप सृजन पुरस्कार से भी नवाजा गया है। इस सम्मान से सीधी जिले का नाम साहित्य के क्षेत्र में प्रदेश में ऊंचा हुआ है। साहित्य को लिखने के साथ साथ प्रो. अनिल सिंह इसे जीते भी है। नामवर सिंह के द्वारा कहा गया कथन मरेंगे हम किताबों पर, वरक होगा कफ़न अपना को बखूबी डॉक्टर अनिल सिंह कर सुदृढ़ कर रहे हैं। अपने विद्यार्थियों को सदा पुस्तक से जुड़े रहने के लिए प्रेरणा देते हैं। पढ़ाई में ही सारी समस्याओं का हल है इस बात पर जोर देते हैं, बच्चो को ज्यादा से ज्यादा पढ़ने के लिए प्रेरित करते है। उनके द्वारा पढ़ाए गए छात्र.छात्राएं विभिन्न संस्थानों में पदस्थ हैं और अपनी सेवाएं इन्ही के दिखाए हुए मार्ग, सत्य और निष्ठा से दे रहे है।

बधाई देने वालो में प्रोफेसर संतोष सिंह चौहान, प्रो. रावेंद्र बहादुर सिंह, प्रो. प्रभाकर सिंह, सोमेश्वर सिंह सोम, डॉ. शिव शंकर मिश्र सरस, अशोक तिवारी अकेला, प्रो.गुलशेर अहमद, प्रो. अश्वनी द्विवेदी, डॉ कमलापति गौतम कमल, रामराज यादव आदि ने बधाई देते हुए शुभकामनाएं प्रेषित किया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रीवा (म.प्र.)

क्रमांक 1909/न.पा.नि./राजस्व/2024 रीवा, दिनांक-21/06/2024

अचल सम्पत्ति नामांतरण विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जानकीपार्क रीवा जो नगर पालिक निगम रीवा के स्वामित्व में है, में निर्मित वारण्डा क्रमांक 09व27 श्री सुनील कुमार ठारवानी पिता स्व. श्री लालचंन्द्र ठारवानी को 35 माह के लिये किराये पर आवंटित है, जिसका नामान्तरण श्री ओमप्रकाश राजवानी पिता श्री सुरेश कुमार राजवानी निवासी रानीतालाब सिंन्धी कालोनी रीवा के नाम किये जाने हेतु दिनांक 05.03.2024 को आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त वारण्डा क्रमांक 9व27 के नामांतरण में किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो, तो समाचार पत्रों में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के 15 दिवस की अवधि तक कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा में प्रमाणित अभिलेखों के साथ उपस्थित होकर लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के पश्चात कोई आवेदन/आपत्ति न तो ग्रहण की जावेगी और न ही मान्य की जावेगी। तत्पश्चात आवेदक श्री सुनील कुमार ठारवानी के आवेदन अनुसार उक्त वारण्डा क्रमांक 9व27 का नामांतरण श्री ओमप्रकाश राजवानी पिता श्री सुरेश कुमार राजवानी निवासी रानीतालाब सिंन्धी कालोनी रीवा के नाम करने की कार्यवाही की जावेगी।

उपायुक्त (राजस्व)
नगर पालिक निगम रीवा (म.प्र.)

विचार

गधों के भरोसे चल रही है पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था

भारत नित नई टेक्नोलॉजी और अन्वेषण के जरिए अर्थव्यवस्था की तरक्की के परचम विश्व में फहराए हुए है, वहीं दुश्मनी का भाव रखने वाले पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था गधों के भरोसे टिकी हुई है। भारत को परमाणु बम की धमकी देने वाली पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था और रोजगार गधों के भरोसे चल रही है। गधों की तादाद पाकिस्तान में बढ़ रही है। यह बढ़ती हुई तादाद पाकिस्तान के रोजगार के लिए प्राणवायु बनी हुई है। भारत जहां अपनी अर्थव्यवस्था में लगातार छलांग लगा हुए विश्व की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, वहीं पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था चरमराई हुई है। पाकिस्तान आतंकी पालने, गरीबी, कंगाली के लिए विश्व में बदनाम है। गरीबी की हालत यह है कि पाकिस्तान को कर्ज चुकाने के लिए कर्ज लेना पड़ रहा है। इस हालत में गधे पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था का सहारा बने हुए हैं। पाकिस्तान में गधा पालन प्रमुख मवेशी पालन बना हुआ है। इसी वजह से पाकिस्तान में हर साल गधों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। पाकिस्तान में हाल ही में साल 2023-24 का इकोनॉमिक सर्वे पेश किया गया। सर्वे में कई आंकड़े सामने आए, लेकिन चुंबक की तरह सबसे ज्यादा ध्यान खींचा गधों की आबादी के आंकड़ों ने। पाकिस्तान में गधों की संख्या लगभग 1 लाख बढ़ी है। कुल गधों की संख्या अब 59 लाख के आस-पास बताई जा रही है। सर्वे में यह भी बताया गया कि पाकिस्तान में गधों की संख्या में तो इजाफा हुआ है, लेकिन जीडीपीके निर्धारित लक्ष्य पीछे रह गए हैं। दुनिया में गधों की तीसरी सबसे बड़ी आबादी पाकिस्तान में है, जो इन जानवरों को चीन को निर्यात करके पैसा कमाने की योजना बना रहा है। पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने 11 जून को 2023-24 का इकोनॉमिक सर्वे पेश किया। सर्वे के अनुसार पिछले कुछ वर्षों के दौरान भार ढोने वाले वाले गधों की आबादी देश में लगातार बढ़ी है। साल 2019-2020 में पाकिस्तान में गधों की संख्या 55 लाख के आसपास थी। 2020-21 में ये बढ़कर 56 लाख हो गई। 2021-22 में देश में 57 लाख गधे थे। वहीं 2022-23 में इनकी संख्या 58 लाख थी। पशुपालन पाकिस्तान की ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार है। देश में 80 लाख से अधिक ग्रामीण परिवार पशुधन उत्पादन का काम करते हैं। गधों के आंकड़ों से इतर इकोनॉमिक सर्वे में पाकिस्तान की जीडीपी के आंकड़े भी बताए गए। रिपोर्ट के अनुसार सर्वे से पता चला कि पाकिस्तान 2023-24 वित्तीय वर्ष के अपने ग्रोथ रेट के लक्ष्य से पिछड़ गया। देश ने जीडीपी में 2.38 प्रतिशत की ग्रोथ हासिल की है, जबकि टारगेट 3.5 प्रतिशत ग्रोथ का था। रिपोर्ट में बताया गया कि ऐसा इंडस्ट्री और सर्विस सेक्टर की खराब प्रदर्शन के कारण हुआ है। इकोनॉमिक सर्वे के आंकड़ों के मुताबिक पाकिस्तान में कृषि के क्षेत्र में सबसे ज्यादा ग्रोथ देखने को मिली है जिसने 6.25 प्रतिशत की वृद्धि की है, जबकि लक्ष्य 3.5 प्रतिशत का रखा गया था। औद्योगिक क्षेत्र में ग्रोथ 1.21 प्रतिशत रही जबकि सर्विस सेक्टर ने 1.21 प्रतिशत की ग्रोथ हासिल की।

लोकसभा के सत्र नई उम्मीदों को पंख लगाये

ललित गर्ग

अठारहवीं लोकसभा का पहला सत्र सोमवार से शुरू चुका है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। तीन जुलाई तक दस दिन के लिये चलने वाले इस सत्र में दो दिन नए सांसदों को शपथ दिलाई जायेगी। बुधवार को नए लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा, जबकि गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। लोकसभा सत्र में विपक्ष इस बार अपनी बढ़ी हुई शक्ति का एहसास कराते हुए आक्रामक होने से नहीं चूकेगा। यही वजह है विपक्ष ने सत्र से पहले परीक्षा में गड़बड़ी, अग्निवीर व प्रोटेम स्पीकर जैसे मुद्दों को लेकर आक्रामक रुख दिखाने की रणनीति बनाई है। लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में भी सत्ता पक्ष को घेरने की कोशिशें होती हुई दिख रही है। वैसे भी वह पहले ही सत्ता पक्ष के गठबंधन के सहयोगियों को लोकसभा अध्यक्ष पद की मांग के लिए उकसाने में लगा हुआ है एवं वहीं स्वयं के लिये लोकसभा के उपाध्यक्ष पद की मांग कर रहा है।

विपक्ष ने प्रोटेम अध्यक्ष की नियुक्ति के अलावा नीट-यूजी पेपर लीक व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के स्थगित होने के मामले में सरकार को घेरने एवं संसदीय कार्रवाई को बाधित करने की रणनीति बनाई है, जिससे पहले दिन ही हंगामे के परिदृश्य देखने को मिल रहे हैं। बेहतर संख्या बल के चलते विपक्ष का उत्साहित होना स्वाभाविक है और उसके नेताओं की ओर से विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर सरकार को कठघरे में खड़ा करने की तैयारी में भी कुछ अनुचित नहीं, लेकिन इस तैयारी के नाम पर संसद में हंगामा और शोरशराबा करके ऐसी परिस्थितियां नहीं पैदा की जानी चाहिए जिससे संसद चलने ही न पाए। एक लंबे समय से यह देखने में आ रहा है कि विभिन्न मुद्दों पर सरकार से जवाबदेही के नाम पर विपक्ष संसद में हंगामा और अव्यवस्था पैदा करना उचित समझता आ रहा है, उसके तेवर इस बार ज्यादा ही उग्र एवं उत्तेजिक दिख रहे हैं, जो संसदीय परम्परा के लिये दुर्भाग्यपूर्ण है। सांसद चाहे जिस दल के हो, उनसे शालीन एवं सभ्य व्यवहार की अपेक्षा की जाती है। लेकिन सांसद अपने दूषित एवं दुर्जन व्यवहार से संसद को शर्मसार करते हैं तो यह लोकतंत्र के सर्वोच्च मन्दिर की गरिमा के प्रतिकूल है। संसद राष्ट्र की सर्वोच्च संस्था है। देश का भविष्य संसद के चेहरे पर लिखा होता है। यदि वहां भी शालीनता, मर्यादा एवं सभ्यता का भंग होता है तो दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने के गौरव का आहत होना निश्चित है। आजादी के अमृतकाल तक पहुंचने के बावजूद भारत की संसद यदि सभ्य एवं शालीन दिखाई न दे तो ये स्थितियां दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण ही कही जायेगी। एक बार फिर ऐसी ही त्रासद स्थितियों से रू-ब-रू होने की स्थितियां बनना एक चिन्तनीय प्रश्न है। संसद की सार्थकता केवल इसमें नहीं है कि वहां विभिन्न मुद्दे उठाए जाएं बल्कि इसमें है कि उन पर गंभीर एवं शालीन तरीके से चर्चा होकर राष्ट्रहित में प्रभावी निर्णय लिये जाये। दुर्भाग्य से संसद में राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर ऐसी कोई चर्चा कठिनाई से ही होती है जिससे देश को कोई दिशा मिल सके और समस्याओं के समाधान खोजे जा सके। उचित यह होगा कि संसद में दोनों ही पक्ष संसदीय कार्यवाही के जरिये एक उदाहरण पेश करें, नयी संभावनाओं एवं सौहार्द का वातावरण बनाते हुए नई उम्मीदों एवं संकल्पों के सत्र के रूप में इस सत्र एवं आगे के सत्रों का संचालन होने दें। अठारहवीं लोकसभा के पहले सत्र को लेकर उत्सुकता एवं कुतूहल का वातावरण पक्ष-विपक्ष के नवनिर्वाचित सांसदों में ही नहीं, बल्कि आम जनता में भी है। गठबंधन की स्थितियों के कारण यह लोकसभा पिछली लोकसभा से भिन्न होगी। इस बार विपक्ष का संख्या बल कहीं अधिक है और सत्तापक्ष गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर रहा है। यद्यपि यह गठबंधन सरकार अतीत की गठबंधन सरकारों से भिन्न है, क्योंकि उसका नेतृत्व करने वाला दल यानी भाजपा बहुमत से कुछ ही पीछे है। इसके बावजूद संसद में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच टकराव देखने को मिल सकता है। इस टकराव के आसार भी उभर आए हैं, क्योंकि विपक्ष को प्रोटेम स्पीकर के नाम पर आपत्ति है। विपक्षी इंडिया गठबंधन की मानसिकता संसदीय सत्रों में देश-विकास की योजनाओं पर निर्णय में सहभागिता से अधिक सत्ता पक्ष को घेरने एवं सरकार के कामकाज को बाधिक करने की ही अधिक दिखाई दे रही है। यह निश्चित है कि सार्वजनिक जीवन में सभी एक विचारधारा, एक शैली व एक स्वभाव के व्यक्ति नहीं होते। अत: आवश्यकता है दायित्व के प्रति ईमानदारी के साथ-साथ आपसी तालमेल व एक-दूसरे के प्रति गहरी समझ एवं सौहार्द भावना की। जनता के विश्वास पर खरे उतरते हुए नये भारत-सशक्त भारत को निर्मित करने की। राजनीतिक दल द्वंद्व, एक दूसरे की आलोचना एवं विरोध की स्थितियां चुनाव के मैदान तक सीमित करें, उन्हें संसद तक न लाये। संसद में तो सभी दल मिलकर राष्ट्र-निर्माण का काम करें। एक सांसद के साथ दूसरा सांसद जुड़े तो लगे मानो स्वेटर की डिजाईन में कोई रंग डाला हो। सेवा एवं जनप्रतिनिधित्व का क्षेत्र मोजॉयक है, जहां हर रंग, हर दाना विविधता में एकता का प्रतिक्षण बोध करवाता है। अगर हम सांसदों में आदर्श स्थापित करने के लिए उसकी जुझारू चेतना को विकसित कर सकें तो निश्चय ही आदर्शविहिन असंतुष्टों की पंक्ति को छोटा कर सकेंगे और ऐसा करके ही संसद को गरिमापूर्ण मंच बना पायेंगे। नरेन्द्र मोदी तीसरी बार सत्ता में लौटे हैं। मोदी का लोकसभा सदस्य एवं प्रधानमंत्री के रूप में यह तीसरा कार्यकाल है। उन्होंने वाराणसी सीट बरकरार रखी, जिसे वे 2014 से जीतते आ रहे हैं। पहली बार नए संसद भवन में शपथग्रहण हुआ। भारतीय संसदीय इतिहास में ऐसा दूसरी बार है कि जनता ने किसी सरकार को लगातार तीसरी बार शासन करने का अवसर दिया है। ये मौका 60 साल बाद आया है। अगर जनता ने ऐसा फैसला किया है तो उसने सरकार की नियत पर मुहर लगाई है। उसकी नीतियों पर मुहर लगाई है। जनता के फैसले का स्वागत होना चाहिए, लेकिन ऐसा न होना संसद के साथ-साथ भारत के लिये परेशानी का कारण है। आज भारत दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने के साथ अपनी स्वतंत्र पहचान बनाने की ओर गतिशील है। भारत की बात दुनिया बड़ी ध्यान से सुनती है, वही दुश्मन देश भारत पर तिरछी नजर डालने से पहले सौ बार सोचते हैं, यह भारत की बड़ी ताकत का द्योतक है, जिसे पक्ष एवं विपक्ष मिलकर सहेजे और नये आयाम उद्घाटित करें। इन विषयों पर गंभीर चिन्तन-मंथन की संसद के पटल पर अपेक्षा है। जबकि निश्चित ही छोटी-छोटी बातों पर अभद्र एवं अशालीन शब्दों का व्यवहार, हो-हल्ला, छींटाकशी, हंगामा और बहिर्गमन आदि घटनाओं का संसद के पटल पर होना दुखद, त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण है। इससे संसद की गरिमा एवं मर्यादा को गहरा आघात लगता है। यह सिलसिला बंद होना चाहिए। जहां विपक्ष का यह दायित्व है कि वह प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं और अन्य ज्वलंत मुद्दों पर सरकार से जवाब तलब करे वहीं सत्तापक्ष की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह विपक्ष के सवालों का जवाब देने के लिए तैयार रहे। यदि ऐसा नहीं होता तो यह निराशाजनक ही होगा। राष्ट्रीय चरित्र का दिन-प्रतिदिन नैतिक ह्रास हो रहा है। हर गलत-सही तरीके से हम सब कुछ पा लेना चाहते हैं। अपनी स्वार्थ सिद्धि के लिए कर्तव्य को गौण कर देते हैं। इस तरह से जन्मे हर स्तर के अशालीन एवं असभ्य व्यवहार से राष्ट्रीय जीवन में एक विकृति पैदा होती है, संसद को ही दूषित कर दिया जाता है, अठारहवीं लोकसभा के सभी सत्र इस त्रासदी से मुक्त हो, यह अपेक्षित है। विपक्षी सांसदों की यह कैसी त्रासद मानसिकता है कि वे सब चाहते हैं कि हम आलोचना करें पर काम नहीं करें। हम गलतियां निकालें पर दायित्व स्वीकार नहीं करें। जरूरत इस बात की भी है कि संसद को शुद्ध सांसें मिले, संसदीय जीवन जीने का शालीन, मर्यादित एवं सभ्य तरीका मिले।

लोकतंत्र की आधारभूत आवश्यकता है सशक्त नेता प्रतिपक्ष

क्षेत्र चयन संबंधी समस्त अटकलों पर विराम लगाते हुए राहुल गांधी ने अंतत: अपना फैसला सुना ही दिया। बहुतायत में लग चुके कयासों के अनुरूप, उन्होंने बतौर सांसद रायबरेली को स्वीकार्यता दी है। हालांकि केरल तथा उत्तर प्रदेश से संबद्ध दोनों ही क्षेत्रों से चुनाव में जीत दर्ज कराने वाले राहुल गांधी के अनुसार, वायनाड तथा रायबरेली से उनका भावनात्मक रिश्ता रहा है। निस्संदेह, महत्व के दृष्टिगत दोनों ही सीटें एक-दूसरे से कमतर नहीं, इसी के ध्यानार्थ वायनाड की कमान प्रियंका वाड्रा के जिम्मे सौंपने का निश्चय किया गया है। प्रियंका, जिनका जनसंबोधन दादी इंदिरा गांधी की नेतृत्व क्षमता का आभास देता है, वायनाड से उपचुनाव लड़ेंगी। रायबरेली लोकसभा सीट को अधिमान देने के संबंध में विचारें तो उत्तर प्रदेश की धरा से राहुल गांधी के पूर्वजों का गहरा नाता रहा है। पूर्व में उनके दादा-दादी, फिरोज-इंदिरा गांधी रायबरेली सीट से सांसद रह चुके हैं। मां सोनिया गांधी दीर्घकाल तक वहां से जीतकर संसद पहुंचती रही हैं। राहुल गांधी के परदादा पंडित जवाहर लाल नेहरू इलाहाबाद से तथा उनके पिता राजीव गांधी अमेठी से चुनाव लड़ते रहे। राजनीतिक महत्व के मद्देनजर भी आंका जाए तो उत्तर प्रदेश एक महत्वपूर्ण प्रांत माना जाता है, अत: राज्य पर कांग्रेस पार्टी की मजबूत पकड़ पुन: स्थापित करने के उद्देश्य से भी क्षेत्र चयन का फैसला रायबरेली के हक में जाना अप्रत्याशित नहीं।

कांग्रेस की हालत सुधरी, लेकिन इतिहास रचने से रह गई

उमेश चतुर्वेदी

सोलहवीं और सत्रहवीं लोकसभा के चुनाव नतीजों की तुलना में देखें तो अठारहवीं लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की 99 सीटों पर जीत बड़ी कही जा सकती है। इस पर कांग्रेस नेताओं का इतराना स्वाभाविक भी है। स्वाधीनता आंदोलन की प्रतिनिधि माने जाते रहे राजनीतिक दल का शीर्ष नेतृत्व इस तरह खुश हो रहा है, मानो उसने बड़ा तमगा हासिल कर लिया हो। लेकिन क्या यह कामयाबी इतनी बड़ी है कि पार्टी को इसकी खुशी में झूमना चाहिए? देश पर सबसे ज्यादा और तकरीबन सभी राज्यों में सबसे अधिक वक्त तक जिस पार्टी की सरकार रही हो, क्या उसके लिए यह जीत बड़ी मानी जा सकती है? 1885 में एओ ह्यूम ने कांग्रेस की स्थापना यह सोचकर नहीं की थी कि आने वाले दिनों में वह उनकी ही नस्ल के शासन के खिलाफ उठ खड़ी होगी, बल्कि भारतीय आजादी की मांग के साथ हुंकार भरने लगेगी। ह्यूम ने यह भी शायद ही सोचा होगा कि अंग्रेजी सरकार के खिलाफ भारतीयों के गुस्से के तार्किक इजहार के लक्ष्य से स्थापित कांग्रेस उन्हीं की प्रतिनिधि पार्टी बन जाएगी। पहले तिलक और बाद में गांधी का स्पर्श पाकर कांग्रेस ने जैसे अपना चोला बदल लिया। इसका फल उसे आजादी के बाद मिला और तीस सालों तक लगातार वह शासन में रही। उसे पहली बार 1977 में झटका लगा। लेकिन वह जल्द ही वापसी करने में कामयाब रही। ऐसे ही अल्पकालिक झटके उसे, 1989 और 1996 में भी लगे। 1998 में लगे झटके के ठीक अगले साल वह वापसी करती दिखी, लेकिन उसी साल हुए चुनावों के बाद पांच साल के लिए बाहर हो गई। कांग्रेस के इतिहास में यह पहला मौका रहा, जब उसे लगातार पांच साल के लिए सत्ता से बाहर रहना पड़ा। 2004 में अल्पमत से ही सही उसने वापसी की और दस

साल तक गठबंधन का सरकार चलाया। लेकिन 2014 के चुनावों में उसकी ऐतिहासिक हार हुई और वह महज 44 सीटों पर सिमट गई। देश पर सबसे ज्यादा वक्त शासन करने वाली पार्टी को नेता प्रतिपक्ष तक का पद नहीं मिला और यही स्थिति 2019 में भी रही, बेशक आठ सीटें बढ़ गईं। दिलचस्प यह है कि गांधी-नेहरू परिवार के चश्म-ए-चिराग के हाथों में पूरी कमान थी। इससे पार्टी में निराशा फैलना स्वाभाविक था, जिसे कांग्रेस अध्यक्ष पद से राहुल गांधी के इस्तीफे से चरम अभिव्यक्ति मिली। पांच साल पहले के आम चुनावों की तुलना में 2024 में कांग्रेस को 99 सीटें मिली हैं। दिलचस्प यह है कि इनमें पिछली बार जीती गईं, 13 सीटें शामिल नहीं हैं। क्योंकि तेरह सीटें कांग्रेस हार चुकी है। फिर भी पार्टी ऐसे उछल रही है, मानो उसने तीन सौ सीटें जीत ली हो। पार्टी कुछ वैसे ही खुश नजर आ रही है, जैसे चार दशक पहले के चुनाव में मिली जीत से प्रसन्न थी। इंदिरा की हत्या की पृष्ठभूमि में हुए 1984 के आम चुनावों में पार्टी को 415 सीटें मिली थीं। 99 सीटों की जीत वाली यह उस कांग्रेस की खुशी है, जिसे आपातकाल के गुस्से के बावजूद 1977 40 प्रतिशत से कुछ ज्यादा वोट और 189 सीटें मिली थीं। जबकि 2024 के चुनावों की तुलना 1977 से हो भी नहीं सकती। कांग्रेस के ही आला नेता राजीव गांधी ने देश को इक्कीसवीं सदी में तरक्की के साथ आगे बढ़ाने का संदेश दिया था। इक्कीसवीं सदी में कूटनीतिक, आर्थिक और सामरिक मोर्चे पर देश काफी आगे बढ़ गया है। लेकिन कांग्रेस सौ सीटों का भी आंकड़ा नहीं छू पाई और उछल रही है।

कांग्रेस से जुड़े आंकड़ों पर गौर करें तो पता चलेगा कि बुरे से बुरे दिनों में भी पार्टी सौ से ज्यादा संसदीय सीटें कब्जाती रही। 1996, 1998, 1999 और 2004 के चुनाव ऐसे रहे, जिनमें कांग्रेस दो सौ का आंकड़ा नहीं छू पाई, लेकिन सौ से नीचे भी नहीं गई। 1996 में 140 और 1998 में 141 सीटों पर ही सिमट गया था। पार्टी 1999 और 2004 के आम चुनावों में भी दो सौ की सीट संख्या को पार नहीं कर पाई। उसे क्रमश: 114 और 145 सीटें मिलीं। यह बात और है कि 2004 में बीजेपी उससे छह सीटें कम जीत सकी, इसलिए पार्टी को सरकार बनाने का मौका मिल गया। लेकिन अगले आम चुनाव में पार्टी ने ठीकठाक उछाल मारा और 206 सीटों पर पहुंच गई। तब से तीन चुनाव हो चुके हैं और वह सौ का आंकड़ा तक नहीं छू पाई है। चुनावी अभियान में जुबानी जंग होती रही है। लेकिन चुनाव बीतते ही उसे भुला दिया जाता है। लेकिन कांग्रेस की अकड़ देखिए। पार्टी अपने से करीब ढाई गुनी ज्यादा सीट जीतने वाली बीजेपी को नैतिक रूप से हारी हुई पार्टी बता रही है। जयराम रमेश कह चुके हैं कि पार्टी नैतिक और राजनीतिक रूप से चुनाव हार चुकी है। पार्टी की जुबानी खराश चुनाव बाद भी दूर होती नजर नहीं आ रही। नई सरकारें बनने के बाद विपक्ष की ओर से भी औपचारिक शुभकामना संदेश देने का चलन रहा है। लेकिन कांग्रेस की ओर से शुभकामनाएं तक नहीं भेजी गई हैं। विपक्षी दलों की ओर से शपथ समारोह में शामिल होने की परंपरा रही है। लेकिन कांग्रेस का आला नेतृत्व इससे दूर रहा। इससे संदेश यह गया कि पार्टी नेतृत्व अकड़ में है। सोशल मीडिया के दौर ने सामाजिक परिदृश्य को दो हिस्सों में साफ बांट दिया है। तटस्थता की अवधारणा कमजोर हुई है। सोशल मीडिया मंच पर वही सफल है, जो या तो पक्ष में है या विपक्ष में। दोनों पक्ष अपने-अपने तरीके से अपने लिए तर्क और कुतर्क गढ़ते रहते हैं। उनके समर्थकों को इससे लेना-देना नहीं कि तर्क है या कुतर्क है। इसी तरह राजनीति भी साफ खांचे में बंट गई है। राजनीति भी कुतर्क को तर्क के मुलम्मे में लपेटकर अपने उन्मादी समर्थकों को और ज्यादा उन्मादी बना रही है। कांग्रेस की ओर से सत्ता पक्ष के लिए कड़वापन इसी प्रवृत्ति का विस्तार लगता है। यह बात और है कि लोकतंत्र में उन्मादी वैचारिकता और सोच की कोई जगह नहीं होती। कांग्रेस के पूरे चुनाव अभियान में भाषायी स्तर नीचे उतरता ही दिखा। प्रधानमंत्री मोदी ने मंगल सूत्र और सांप्रदायिकता की बात की तो उसकी खूब आलोचना हुई। मीडिया के एक हिस्से और विपक्ष ने उस पर खूब सवाल उठाया। लेकिन उसी दौरान राहुल गांधी की भाषा मर्यादा के दायरे से लगातार बाहर जाती दिखी। लेकिन उस पर सवाल नहीं उठा। तब राहुल कहा करते थे कि लिख कर रख लो, मोदी इस बार गया। राहुल यह भी कहते थे कि बीजेपी 180 से आगे नहीं बढ़ेगी। बीजेपी का जो हुआ, वह सामने है। लेकिन राहुल के इस बयान से साफ लग रहा था कि वे बीजेपी को हराने की बजाय उसकी सीटें घटाने के लिए लड़ रहे हैं। तकरीबन समूचे विपक्ष का रवैया भी ऐसा ही रहा। विपक्ष की चुनावी रणनीति और अभियान देखकर ऐसा लगता रहा कि विपक्ष मोदी को हराने नहीं, उनकी ताकत घटाने की लड़ाई लड़ रहा है। सबकी कोशिश यही लग रही थी कि किसी भी तरह से बीजेपी को बहुमत के आंकड़े तक पहुंचने से रोका जाए।

बड़े भाई ने मारा थप्पड़ तो छोटे ने की हत्या

बड़े भाई की तलवार से वार कर दी मौत, आरोपी छोटा भाई गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा एजेंसी। सरगुजा जिले के सलका में बीती शाम लेट घर आने से नाराज बड़े भाई ने अपने छोटे भाई को फटकार लगाई एवं विवाद होने पर उसे थप्पड़ मार दिया तो नाराज छोटे भाई ने तलवार निकालकर बड़े भाई पर तलवार से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल बड़े भाई की मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना उदयपुर थानाक्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, उदयपुर थानाक्षेत्र के ग्राम सलका, बाजारपारा निवासी बलराम बिंझिया सोमवार की रात देर तक घूमता रहा एवं काफी लेट से घर पहुंचा। इससे नाराज होकर बड़े भाई चमरू बिंझिया ने छोटे भाई बलराम बिंझिया को डांटा। बलराम बिंझिया विवाद करने लगा तो चमरू बिंझिया ने उसे दो तीन थप्पड़ मार दिया।

तलवार निकालकर पेट में घुसा दिया: बड़े भाई द्वारा थप्पड़ मारने से आक्रोशित बलराम बिंझिया ने घर से तलवार निकाल लिया एवं घर के सामने आंगन मे खड़े चमरू बिंझिया के पेट में तलवार घुसा दी। तलवार चमरू बिंझिया के पेट को फाड़ते हुए पार हो गई। वह बेहोश होकर गिर गया। उसे परिजन तत्काल उदयपुर सीएचसी लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान चमरू बिंझिया की मौत हो गई।

घटना की रिपोर्ट पर उदयपुर पुलिस ने धारा 302 आईपीसी एवं 25, 27 आर्म्स एक्ट का अपराध दर्ज किया। घटना के बाद आरोपी बलराम बिंझिया फरार हो गया।

फरार आरोपी गिरफ्तार: उदयपुर पुलिस ने मामले में जांच करते हुए आरोपी बलराम बिंझिया 28 की खोजबीन शुरू की तो वह गांव में छुपा हुआ मिल गया। पुलिस ने उसे धर दबोचा। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर दिया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

कार्रवाई में थाना प्रभारी उदयपुर कुमारी चंद्राकर, एएसआई दिलीप दुबे, प्रधान आरक्षक राजनाथ तिर्की,आरक्षक सुनीति राजवाड़े, विवेक सिंह, देववंदर सिंह, विजय पैकरा शामिल रहे।

ट्रक और ट्रेलर की आमने-सामने टक्कर

केबिन में फंसा ड्राइवर, डायल 112 की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद निकाला

मीडिया ऑडीटर, कोरबा एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में मड़वारानी के पास ट्रेलर और ट्रक के बीच टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि ड्राइवर केबिन में बुरी तरह से फंस गया। मामले की सूचना डायल 112 को दी गई। मौके पर पहुंची डायल 112 टीम ने ड्राइवर को कड़ी मशक्कत के बाद रेस्क्यू कर बाहर निकाला। घायल को अस्पताल भेजा गया है, जहां उसका इलाज जारी है। जानकारी के मुताबिक घटना ग्राम मड़वारानी के पास की है। कोरबा की ओर से आ रहे कोयला लोड ट्रेलर और चांपा की ओर से आ रहे खाली ट्रक में आमने-सामने भिड़ंत हो गई।

टक्कर से उड़े ट्रेलर के केबिन के परखच्चे: टक्कर से ट्रेलर के केबिन के परखच्चे उड़ गए और चालक केबिन में फंस गया। घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने घटना की सूचना पुलिस और डायल 112 को दी।स्थानीय लोगों का कहना है कि इस रास्ते पर पहले भी कई हादसे हो चुके हैं।

निर्माण कार्य पूरा नहीं होने से हो रहे हादसे: पहले भी हादसे कई लोगों की जान तक जा चुकी है। नेशनल हाईवे पर निर्माण कार्य जारी है। निर्माण कार्य पूरा नहीं होने की वजह से लगातार हादसे हो रहे हैं। कई जगह पर जलभराव भी हो रहा है। फिलहाल, उरगा थाना पुलिस ने ट्रक को जब्त किया है और आगे की कार्रवाई में जुटी है।

कोबरा सांप ने मासूम को काटा, मौत

घर में सोते समय डसा, परिजनों ने सांप को भी पीट-पीटकर मार डाला

मीडिया ऑडीटर, जांजगीर-चांपा एजेंसी। जांजगीर-चांपा जिले में 10 साल के बच्चे को कोबरा सांप ने काट लिया। जिससे उसकी मौत हो गई। जिस समय यह हादसा हुआ, वो कमरे में सो रहा था। घटना के बाद परिजनों ने सांप को भी पीट-पीटकर मार डाला। मामला पामगढ़ थाना क्षेत्र का है।

पिता देव कुमार कश्यप ने बताया कि, सोमवार की रात घर के सभी सदस्य खाना खाने के बाद सोने चले गए थे। इस बीच रात करीब 12 बजे बेटा विजय कश्यप विजय ने अपनी मां को आवाज देकर उठाया और बताया कि उसे सांप ने काटा है। बेहोशी की हालत में उसे के लिए अकलतरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे।

परिजनों ने कोबरा सांप को पीट-पीटकर मार डाला: जब अस्पताल में डॉक्टर ने जांच किया, तो उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, घर के बाकी सदस्यों ने किसी तरह से जहरीला कोरबा को ढूंढ निकाला और डंडे से पीट-पीटकर मार डाला। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

सब्बल मारकर बड़े भाई की हत्या

पैसों को लेकर हुआ था विवाद, युवक ने खुद लोगों को दी मर्डर की जानकारी

मीडिया ऑडीटर, दुर्ग-भिलाई एजेंसी। छत्तीसगढ़ के दुर्ग के बोरी क्षेत्र में एक युवक ने अपने बड़े भाई की सब्बल मारकर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच रुपए चोरी को लेकर विवाद हुआ था। सूचना मिलते ही लिटिया सेमरिया पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है।

घटना मंगलवार सुबह की है। लिटिया सेमरिया चौकी क्षेत्र में टेमरी गांव के रहने वाले संजय देशलहरे और उसके छोटे भाई नेतू राम देशलहरे के बीच विवाद हो गया। इस दौरान संजय ने घर के बाहर पड़े सब्बल से नेतू राम के पैर पर हमला कर दिया।

सब्बल छीनकर किया भाई पर किया हमला: हमले से नेतू राम गुस्सा हो गया। उसने संजय से सब्बल छीनकर उसी पर हमला कर दिया। सब्बल का वार से संजय ने मौके पर दम तोड़ दिया। इसके बाद आरोपी नेतू राम ने घर से बाहर आकर लोगों को इसकी जानकारी दी।

एसडीओपी भी मौके पर पहुंचे: आसपास लोगों की भीड़ हो गई। फिर किसी ने पुलिस को सूचना दी। कुछ देर में लिटिया सेमरिया चौकी प्रभारी मौके पर पहुंचे। इस बीच एसडीओपी संजय पुंडीर भी मौके पर पहुंच गए और आरोपी से घटना के संबंध में पूछताछ की गई। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

3 हजार की चोरी की बात पर हुआ विवाद: आरोपी नेतू राम देशलहरे ने पुलिस को बताया कि उसका बड़ा भाई संजय देशलहरे अक्सर उससे विवाद करता रहता था। पहले भी उसकी दो-तीन बार पिटाई कर चुका है। मंगलवार सुबह भी 3 हजार रुपए की चोरी कर शराब पीने का आरोप लगाकर उसकी पिटाई कर रहा था। इसी दौरान उसे गुस्सा आ गया और उसने अपने बड़े भाई से सब्बल छीन कर उस पर वार कर दिया। जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई।

न्यायालय के आदेश पर ग्राम पंचायत चौनपुर भूमि मामले की सुनवाई 15 को

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। न्यायालय के रा.प्र.क. 202205011600038/सी-121/2021-22 पक्षकार दिनेश प्रति छत्तीसगढ़ शासन ग्राम चौनपुर में पारित आदेश 07 अक्टूबर 2022 के परिपालन में ग्राम चौनपुर स्थित भूमि खसरा नम्बर 136/4 रकबा 0.016 हे. भूमि सोनकुंवारी गोंड़ से 11 फरवरी 1992 को पंजीकृत बैनामा के माध्यम से अनावेदक दिनेश पबिया द्वारा कलेक्टर कोरिया से विधिवत अनुमति प्राप्त किए बिना क्रय किया गया है। अतः ग्राम चौनपुर स्थित भूमि खसरा नम्बर 136/4 रकबा 0.016 हे. भूमि के अंतरण पर छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 170 (ख) के प्रावधान आकर्षित होने के कारण प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही संचालित है। इस प्रकरण में अनावेदक की उपस्थिति हेतु प्रकरण की सुनवाई 15 जनवरी 2024 से नियत है। राजस्व नोटिस एवं चस्पा नोटिस तामिली पश्चात् भी अनावेदक उपस्थित नहीं हुआ है। अतः प्रकरण में अनावेदक पक्ष की सुनवाई, उपस्थिति एवं रा.प्र.क.202205011600038/सी-121/2021-22 पक्षकार दिनेश को प्रति छत्तीसगढ़ शासन, ग्राम चौनपुर में पारित आदेश 07 अक्टूबर 2022 के क्रियान्वयन के संबंध में अनावेदक दिनेश आत्मज जगदीश, निवासी बस स्टैंड के पास घुटरा, तहसील केल्हारी, जिला एमसीबी (छ.ग.) आगामी पेशी 15 जूलाई 2024 को न्यायालयीन समयावधि में अनिवार्यतः उपस्थित हो, अन्यथा एक पक्षीय कार्यवाही के लिए स्वयं जिम्मेदार होंगे। निर्धारित तिथि पर पश्चात् किसी भी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा स्वीकार नहीं किया जाएगा।

पानी नहीं देने पर पत्नी की हत्या

दूसरे मामले में पत्नी से अवैध संबंध के शक में मर्डर, दोनों आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, जांजगीर-चांपा एजेंसी। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में दो अलग-अलग हत्या के मामलों में पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से हथियार भी बरामद कर लिए गए हैं। मामला मालखरौदा थाना क्षेत्र के ग्राम चिखली काका और कुरदा का है।

पहले मामले में पत्नी से अवैध संबंध के शक में आरोपी ने शख्स को मौत के घाट उतार दिया। वहीं दूसरे मामले में पीने के लिए पानी नहीं देने पर पति ने पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी।

घर से लापता था व्यक्ति: पहला मामला कुरदा गांव का है, जहां मृतक सौखीलाल जांगड़े की पत्नी किरन जांगड़े ने 23 जून को

पति के लापता होने की सूचना थाने में दर्ज कराई थी। किरन जांगड़े ने बताया था कि उसका पति गांव के ही अमरजीत बंजारे के साथ गया था। उसके बाद घर नहीं लौटा।

पहले पत्थर से कुचला, फिर दबाया गला: पुलिस ने अमरजीत बंजारे (30) को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपी ने हत्या करना कबूल किया। आरोपी अमरजीत ने बताया कि उसकी पत्नी से सौखीलाल बात करता था। जिस वजह से वह सौखीलाल को सुनसान जगह ले गया और उसके सिर पर पत्थर से हमला कर दिया। फिर उसके सीने पर बैठकर गला दबाकर हत्या कर दी।

मर्डर कर शव दूसरे गांव में छिपाया: आरोपी ने शव को दूसरे गांव ले जाकर छिपा दिया था। आरोपी की निशानदेही पर शव को बरामद किया गया। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। आरोपी के खिलाफमालखरौदा थाने में हत्या मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया, जिसे न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

पीने के लिए पानी नहीं देने पर पत्नी की हत्या: दूसरी घटना चिखली गांव की है, जहां आरोपी पति चंद्रशेखर भारद्वाज ने पत्नी से पीने के लिए एक गिलास पानी मांगा था। पानी नहीं देने पर गुस्से में पति ने घर में रखे फावड़ा से पत्नी पर हमला कर दिया। जानलेवा हमले से पत्नी की मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

गौवंश की हत्या

मीडिया ऑडीटर, जशपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में पुलिस ने गौवंश की हत्या कर मांस बेचने के मामले में 8 आरोपियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। उनके पास से 90 किलो गौमांस, 4 बाइक, धारदार चाकू और बिक्री के पैसे बरामद किया है। घटना कांसाबेल थाना क्षेत्र की है।

पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह ने बताया कि, मुखबिर से पुलिस को लगातार सूचना मिला रही थी कि ग्राम सहरापानी के घुघरीनाला के किनारे में कुछ लोग खाने और बेचने के लिए गौवंश की हत्या करते हैं। उसका मांस काट कर बेचते भी हैं।

इस सूचना पर एसडीओपी विजय सिंह राजपूत के नेतृत्व में टीम गठित कर मौके पर भेजा गया। पुलिस की टीम ने घेराबंदी कर आरोपी सेबेस्टिन तिग्गा, सनातन लकड़ा, पैकस लकड़ा, संतोष लकड़ा, उत्तम दान, सुमन टोप्पो, जुवेल दान ओर विनित लकड़ा को गिरफ्तार जेल भेज दिया गया है। ये सभी गाय का मांस बेच रहे थे।

स्काउट्स एवं गाइड्स राज्य स्तरीय शिविर में सम्मिलित होने पंचमढ़ी रवाना

मीडिया ऑडीटर, चिरमिरी निप्र। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स राज्य मुख्यालय रायपुर छत्तीसगढ़ के तत्वाधान में राष्ट्रीय साहसिक संस्थान पंचमढ़ी मध्य प्रदेश में 26 जून 2024 से 30 जून 2024 तक पांच दिवसीय पर्वतारोहण, व्यक्तित्व विकास एवं आपदा प्रबंधन शिविर का आयोजन राज्य मुख्य आयुक्त डॉ.सोमनाथ यादव, राज्य सचिव कैलाश सोनी के कुशल नेतृत्व में छत्तीसगढ शासन के सहयोग से हो रहा है। इस शिविर हेतु मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर के जिला शिक्षा अधिकारी सह पदेन जिला आयुक्त स्काउट अजय कुमार मिश्रा के निर्देशानुसार , सहायक जिला आयुक्त बलबिंदर सिंह के मार्गदर्शन तथा सहायक राज्य प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट शैलेंद्र कुमार मिश्रा और सहायक राज्य संगठन आयुक्त गाइड जेरामिना एक्का के दिशा निर्देशन में विकासखंड खड़गवां के शास.उ.मा.वि.कन्या चिरमिरी, उधनापुर, खड़गवां, शास.हाई स्कूल दुबछोला, तोलगा, मझौली, पैनारी व शास.पूर्व मा. शाला बंजारीडांड से 08 स्काउट व 14 गाइड दल प्रभारी जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट शांतनु कुर्रे और गाइड कैप्टन उमा साहू के नेतृत्व में पंचमढ़ी के लिए रवाना हुए।

चिरिमिरी रेल्वे स्टेशन प्रशिक्षण में सफल प्रतिभागी हेतु उत्साहवर्धन व शुभकामनाएं प्रेषित करने हेतु विकासखंड शिक्षा अधिकारी खड़गवां सह पदेन सहायक जिला आयुक्त स्काउट बलविंदर सिंह,प्राचार्य द्वय मंजीत सिंह परमार व बिजेंद्र सिंह, जिला संगठन आयुक्त गाइड सोनम कश्यप, आजीवन सदस्य प्रवासी गौड़, सी.ए.सी. शंभूनारायण सिंह, गाइडर अंजू महंत तथा स्काउटिंग भावना से प्रेरित बसंत महंत, स्काउटर के. प्रफुल्ल रेड्डी, एवं पालकगण उपस्थित रहे। सभी ने बच्चों को शुभकामना प्रेषित करते हुए मंगलमय यात्रा की कामना की।

व्यक्ति ने उगाया घर की बाड़ी में मिला 3 गांजा का पौधा

रायपुर, एजेंसी। राजधानी रायपुर में एक व्यक्ति ने अपने घर में गांजा का पौधा उगा लिया था। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस को आरोपी के बाड़ी से 3 पौधा बरामद हुआ है। जिसके बाद पुलिस ने नारकोटिक्स एक्ट में एक्शन लिया है। ये पूरा मामला धरसींवा थाना क्षेत्र का है।

दरअसल एंटी क्राइम यूनिट को सूचना मिली कि धरसींवा के पास देवरी गांव में एक व्यक्ति ने अपने घर में गांजा का पौधा उगाया है। जिसके बाद पुलिस के साथ एंटी ₹ इम यूनिट ने जॉइंट टीम बनाकर घर पर रेड कार्रवाई की।

चलेंगी 240 ई-बसें, रायपुर में 100, कोरबा में 40, दुर्ग-भिलाई और बिलासपुर में 50-50 बसें चलाने की मिली मंजूरी

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। रायपुर और दुर्ग में पीएम ई-बस सेवा के लिए ई-चार्जिंग प्वाइंट बनाने के लिए तकनीकी स्वीकृति की प्रक्रिया चल रही है। छत्तीसगढ़ में 240 ई-बसें चलाने की स्वीकृति महुआ दिल्ली ने दी है। इसमें रायपुर में 100, दुर्ग भिलाई और बिलासपुर में 50-50 और कोरबा में 40 बसें चलाने की स्वीकृति दी गई है। दरअसल, सभी स्थानों पर केंद्र सरकार के फंड से चार्जिंग प्वाइंट, सर्विसिंग सेंटर बस टर्मिनल का कार्यालय बनाया जाएगा। इसमें चार्जिंग प्वाइंट से लेकर सभी इलेक्ट्रिकल कार्यों का व्यय भार केंद्र और सिविल वर्क के लिए केंद्र से 70 और राज्य सरकार से 30 फीसदी अंशदान रहेगा।

'महुआ' दिल्ली ने मंगाया था प्रस्ताव: मिनिस्ट्री ऑफ हाउसिंग एंड अरबन अफेयर्स (महुआ) की स्टेट क्वार्डिनेटर एकता कपूर ने को बताया कि, राज्य के 5 शहरों में 240 पीएम ई-बस सर्विस शुरू करने की स्वीकृति महुआ ने दी है। ई-बस शुरू करने के पूर्व ई-चार्जिंग प्वाइंट, सर्विसिंग सेंटर, कार्यालय भवन के निर्माण के लिए प्रस्ताव मंगाए जा चुके हैं। उसे तकनीकी स्वीकृति देने के लिए प्रक्रिया चल रही है। तकनीकी स्वीकृति मिलते ही सभी स्थानों पर ई चार्जिंग प्वाइंट और कार्यालय भवन के निर्माण का काम शुरू हो सकेगा।

बिलासपुर के कोनी में बनेगा चार्जिंग प्वाइंट: बिलासपुर में ई-सिटी बस चलाने के लिए ई चार्जिंग प्वाइंट कोनी स्थित सिटी बस टर्मिनल में बनेगा। निगम कमिश्नर अमित कुमार के मुताबिक, ई-सिटी बसों के संचालन के लिए आवश्यक तैयारियां करने जैसे ई-चार्जिंग प्वाइंट, बसों को चार्ज करने के लिए 2500 किलोवाट के विद्युत सब स्टेशन की स्थापना की जाएगी। उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रिकल कार्यों पर करीब 5 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

देश भर में 10 हजार ई-बसें चलाई जाएंगी: पीएम बस सेवा योजना के तहत देश के 169 शहरों में 10 हजार ई-सिटी बसों का संचालन करने के लिए साल 2023 में केंद्र सरकार ने इसकी स्वीकृति दी थी। योजना का लक्ष्य शहरवासियों को प्रदूषण मुक्त और सर्वसुविधायुक्त पब्लिक ट्रांसपोर्ट उपलब्ध कराना है। योजना के तहत रायपुर, बिलासपुर दुर्ग, भिलाई और कोरबा में पीएम ई बसों का संचालन चरणबद्ध ढंग से किया जाएगा।

कल से भारी वर्षा का यलो अलर्ट

आज रायपुर-बिलासपुर-सरगुजा संभाग में हल्की बारिश के आसार, 24 घंटे में भोपालपटनम में सबसे ज्यादा बारिश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ में 26 जून से मानसून की गतिविधियां बढ़ने और भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक आज रायपुर, बिलासपुर, सरगुजा संभाग में हल्की बारिश के आसार हैं। सोमवार को प्रदेश में सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान बलरामपुर में 37.6 डिग्री और सबसे कम न्यूनतम तापमान 22.1 डिग्री नारायणपुर में रिकॉर्ड गया।

प्रदेश में मानसून पूरी तरह से छाया हुआ है, लेकिन सोमवार को

रायपुर और आसपास के जिलों में मौसम ड्राई रहा। इसकी वजह से बारिश नहीं हुई। हालांकि आज सुबह से ही रायपुर में बादल छाए हुए हैं।

गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार आज दिन का तापमान 35 डिग्री और रात का तापमान 26 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है।

26 और 27 जून को बारिश का यलो अलर्ट: मौसम विभाग के मुताबिक आज रायपुर समेत प्रदेश के सभी संभागों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। वहीं, 26 जून को मौसम विभाग ने पेंड्रा, बिलासपुर, रायगढ़, मुंगेली, कोरबा और जांजगीर जिले में हैवी रेन फॉल का यलो अलर्ट जारी किया है।

इसी तरह 27 जून को गरियाबंद, धमतरी, रायगढ़, बलरामपुर, जशपुर, सरगुजा, बस्तर, कोंडागांव और कांकेर जिले में हैवी रेन फॉल का यलो अलर्ट जारी किया गया है।

24 घंटे में यहां हुई बारिश: मौसम विभाग के मुताबिक भोपालपटनम में 150 मिलीमीटर, अहिवारा में 60 मिलीमीटर, खैरागढ़ में 40 मिलीमीटर, राजिम, डोंगरगढ़ ,बेलतरा में 30 मिलीमीटर, पलारी, रायपुर, बलौदा बाजार, धमतरी, पेंड्रा, खरोरा में 20 मिलीमीटर, महासमुंद, बसना, सरायपाली और रायगढ़ में 10 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई है।

19 साल की युवती ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

भाई ड्यूटी पर और पिता बाहर थे, सहेली ने पंखे से लटकी देखी लाश

मीडिया ऑडीटर, भिलाई एजेंसी। छत्तीसगढ़ के भिलाई में सोमवार की शाम एक युवती ने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। जब पड़ोसियों ने उसे फंदे पर लटके देखा, तो उसके भाई को सूचना दी। दरवाजा तोड़कर युवती को सुपेला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मामला वैशाली नगर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, युवती की पहचान आरती राय (19) के रूप में हुई है। उसकी मां की पहले ही मौत हो चुकी है। बड़ी बहन की शादी पावर हाउस जलेबी चौक में हुई है। आरती अपने बड़े भाई और पिता के साथ किराए के मकान में कैंप-1 में रहती थी।

पिता बाहर थे, भाई ड्यूटी पर गया था: बताया जा रहा है कि, आरती के पिता किसी काम से बाहर गए थे। भाई रोज की तरह इंजीनियरिंग पार्क ड्यूटी पर गया था। आरती घर में अकेली थी। शाम करीब 7 बजे उसकी एक सहेली उसे बुलाने गई। उसने दरवाजा खटखटाया, लेकिन ना तो दरवाजा खुला और ना अंदर से आवाज आई। सहेली ने खिड़की से देखा तो आरती रस्सी के सहारे पंखे से लटकी हुई थी।

आज होगा पोस्टमॉर्टम: उसकी सहेली ने शोर मचाकर मोहल्ले वालों को बुलाया। उन्होंने दरवाजा तोड़कर शव को नीचे उतारा।

केजरीवाल जेल में रहेंगे, हाईकोर्ट ने जमानत नहीं दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। लोकसभा चुनाव के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें 1 जून तक जमानत दी थी। 2 जून को उन्हें सरेंडर करना पड़ा। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल अभी तिहाड़ जेल में ही रहेंगे। हाईकोर्ट ने दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में मंगलवार को जमानत देने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि दलीलों पर सही ढंग से बहस नहीं हुई थी, इसलिए राउज एवेन्यू कोर्ट के फैसले को रद्द करते हैं। फैसले को देखकर ऐसा लगता है कि केजरीवाल को जमानत देते समय विवेक का इस्तेमाल नहीं किया। अदालत को ईडी को बहस करने के लिए पर्याप्त अवसर देना चाहिए था। उधर, आम आदमी पार्टी का कहना है, हम हाईकोर्ट के फैसले से सहमत नहीं हैं। हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। जमानत पर आदेश को इस तरह से नहीं रोका जा सकता, सुप्रीम कोर्ट ने भी कल यही कहा है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने 20 जून को केजरीवाल को बेल दी थी, लेकिन ईडी की याचिका पर हाईकोर्ट ने 21 जून को रोक लगा दी थी। अब कल (बुधवार को) सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली सीएम की जमानत याचिका पर फैसला होगा।

हाथ में संविधान की प्रति लेकर राहुल ने ली शपथ, 'जय हिंद, जय संविधान का लगाया नारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ ली और इस दौरान उन्होंने अपने हाथ में संविधान की प्रति ले रखी थी। राहुल गांधी ने अंग्रेजी भाषा में शपथ ली। शपथ के बाद उन्होंने 'जय हिंद, जय संविधान% का नारा भी लगाया। राहुल गांधी इस बार उत्तर प्रदेश के रायबरेली लोकसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुए हैं। इससे पहले वह लोकसभा में केरल के वायनाड और उत्तर प्रदेश के अमेठी का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। शपथ के लिए जब राहुल गांधी का नाम पुकारा गया तो कांग्रेस के सदस्य अपने स्थान पर खड़े हो गए और 'जोड़ो जोड़ो, भारत जोड़ो% के नारे लगाने लगे। उनके शपथ लेने के बाद भी कांग्रेस सदस्यों ने 'जोड़ो जोड़ो, भारत जोड़ो% के नारे लगाए। राहुल गांधी ने वर्ष 2022 में 'भारत जोड़ो यात्रा% और इस साल की शुरुआत में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा% निकाली थी।

तीसरे काल में प्रधानमंत्री मोदी कर सकते हैं रूस का दौरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय और रूसी अधिकारी जुलाई की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संक्षिप्त रूस दौरे की संभावनाओं पर विचार कर रहे हैं। यात्रा के दौरान, पीएम मोदी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करेंगे। क्रेमलिन ने कहा है कि मार्च में, पीएम मोदी को मॉस्को आने का खुला निमंत्रण मिला था। पिछले साल दिसंबर में, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मॉस्को की अपनी 5 दिवसीय यात्रा के दौरान पुतिन के साथ बातचीत की थी। बैठक में राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी को रूस आने का निमंत्रण देते हुए कहा कि इससे उन्हें सभी मौजूदा मुद्दों पर चर्चा करने और द्विपक्षीय संबंधों के विकास के दृष्टिकोण के बारे में बात करने का अवसर मिलेगा। पुतिन ने क्रेमलिन में जयशंकर से कहा, हमें अपने मित्र प्रधानमंत्री मोदी को रूस में देखकर खुशी होगी। सरकारी समाचार एजेंसी तास ने रूसी नेता के हवाले से कहा, हम सभी मौजूदा मुद्दों पर चर्चा कर सकेंगे और रूसी-भारतीय संबंधों के विकास के दृष्टिकोण के बारे में बात कर सकेंगे। हमें अभी बहुत काम करना है।

स्पेस स्टेशन में फंस गईं सुनीता विलियम्स

अमरीका (एजेंसी)। अंतरिक्ष यात्रियों को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में ले जाने वाले बोइंग स्टारलाइनर को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है. दरअसल, बोइंग के स्टारलाइनर कैप्सूल, जो अभी भी अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर खड़ा है उसमें आई समस्याओं के कारण इसके दो अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी पर वापस लाने की योजना उलट गई है, क्योंकि अंतिम समय में किए गए सुधार और परीक्षण से बोइंग के अंतरिक्ष विभाग के लिए महत्वपूर्ण मिशन सामने आ गया है.

द हिन्दु की रिपोर्ट के मुताबिक, नासा ने नियोजित वापसी को तीन बार रीशेड्यूल किया है और अब इसके लिए कोई तारीख तय नहीं की है. बता दें कि, बीते 5 जून की लॉन्चिंग के बाद कैप्सूल में 5 हीलियम लीक हो चुके हैं, जबकि, 5 थ्रस्टर्स बंद हो गए हैं और एक वाल्व पूरी तरह से बंद नहीं हो पाया है, जिसके कारण अंतरिक्ष में चालक दल और ह्यूस्टन में मिशन प्रबंधकों को मिशन के बीच में ही मरम्मत करने में ज्यादा समय लगाना पड़ा है.

72 दिनों तक डॉक हो सकता है स्टारलाइनर: इस बीच नासा के कॉमर्शियल क्रू मैनेजर स्टीव स्टिच ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि स्टारलाइनर 45 दिनों तक अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर डॉक किया जा सकता है. लेकिन, यदि आवश्यक हो, जैसे कि यदि ज्यादा समस्याएं उत्पन्न होती हैं जिन्हें मिशन

अधिकारी समय पर ठीक नहीं कर सकते हैं तो उड़ान योजना से परिचित एक व्यक्ति के अनुसार यह कई बैकअप प्रणालियों पर निर्भर करते हुए 72 दिनों तक डॉक किया जा सकता है.

स्टारलाइनर की नई वापसी की तारीख 6 जुलाई तय: नासा के आंतरिक सूत्रों के अनुसार, स्टारलाइनर की नई वापसी की तारीख 6 जुलाई तय की गई है. नाम न बताने की शर्त पर एक सूत्र ने बताया कि ऐसी वापसी तिथि का मतलब होगा कि मूल रूप से 8 दिनों के लिए नियोजित मिशन एक महीने तक चलेगा. वहीं, स्टारलाइनर की वर्तमान समस्याएं इस प्रणाली पर केन्द्रित हैं, जिसकी जरूरत कैप्सूल को ह्रस्र से दूर ले जाने और पृथ्वी के वायुमंडल में गोता लगाने के लिए होती है.

इस वजह से नहीं हो पा रही वापसी: नासा के कॉमर्शियल क्रू मैनेजर स्टीव स्टिच ने बताया कि स्टारलाइनर के कई थ्रस्टर्स फायर होने पर ज्यादा गर्म हो गए हैं और थ्रस्टर्स पर दबाव डालने के लिए उपयोग किए जाने वाले हीलियम रिसाव उनके इस्तेमाल से जुड़े दिखाई दे रहे हैं. उन्होंने कहा कि स्टारलाइनर के डॉक पर रहते हुए थ्रस्टर्स की हाल ही में की गई टेस्ट-फायरिंग ने मिशन टीमों को सुरक्षित वापसी का भरोसा दिया. हालांकि परीक्षण जारी है. फिलहाल, नासा और बोइंग कर्मियों से बनी मिशन प्रबंधन टीम डेटा की जांच कर रही है, ह्यूस्टन में सिमुलेशन चला रही है और उन्हें ठीक करने के तरीकों पर विचार कर रही है, जैसे कि सॉफ्टवेयर को अपडेट करके या हार्डवेयर के इस्तेमाल के तरीके को बदलकर होता है.

6 घंटे की घर वापसी की यात्रा हो जाएगी शुरू: स्टीव स्टिच ने कहा कि एक बार जब नासा के अधिकारी टीम को वापसी के लिए हरी झंडी दे देंगे तो स्टारलाइनर के थ्रस्टर्स का इस्तेमाल आईएसएस से कैप्सूल को निकालने के लिए किया जाएगा और लगभग 6 घंटे की घर वापसी की यात्रा शुरू की जाएगी. ऐसे में धीरे-धीरे अपनी कक्षा को छोटा करते हुए दक्षिण-पश्चिमी संयुक्त राज्य अमेरिका में कई संभावित स्थानों में से एक पर पैराशूट और एयरबैग की मदद से लैंडिंग के लिए पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश किया जाएगा.

पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू के घर पहुंचे पीएम नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू से मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर चर्चा की। इसे लेकर वेंकैया नायडू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी जी ने नई दिल्ली में मेरे आवास नं. त्यागराज मार्ग पर मुझसे मुलाकात की। मैंने नरेन्द्र भाई मोदी जी को भारत के प्रधानमंत्री के रूप में तीसरी बार शपथ लेने पर हार्दिक बधाई दी। हमारी बातचीत में हमने राष्ट्रीय हित के मामलों पर अपने विचार साझा किए। मुझे विश्वास है कि आने वाले वर्षों में उनके नेतृत्व में भारत गौरव की नई ऊंचाइयों को छुएगा। नायडू

ने बैठक की तस्वीरें साझा करते हुए कहा, ''हमारी बातचीत में, हमने राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर अपने विचारों का आदान-प्रदान किया। पूर्व उपराष्ट्रपति ने लिखा, ''मुझे विश्वास है कि आने वाले वर्षों में उनके नेतृत्व में भारत गौरव की नई ऊंचाइयों को छुएगा।

लोकसभा स्पीकर पर सहमति नहीं, आज चुनाव होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। 18वीं लोकसभा के पहले सत्र का मंगलवार (25 जून) को दूसरा दिन है। लोकसभा स्पीकर को लेकर पक्ष-विपक्ष के बीच टकराव बढ़ गया है। एनडीए प्रत्याशी ओम बिरला के खिलाफ कांग्रेस ने के. सुरेश को उतारा है। दोनों ने दोपहर 12 बजे से पहले नॉमिनेशन फाइल किया। वोटिंग 26 जून को सुबह 11 बजे होगी। कांग्रेस सांसद के. सुरेश की दावेदारी पर तृणमूल कांग्रेस ने नाराजगी जताई है। पार्टी सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा- हमसे इस बारे में कोई बात नहीं हुई है। दुर्भाग्य से ये एकतरफा फैसला है। अभिषेक के बयान पर राहुल ने कहा- जय संविधान। इससे पहले सुबह राहुल संसद पहुंचे तो कहा- कांग्रेस अध्यक्ष के पास स्पीकर के समर्थन के लिए राजनाथ सिंह का फोन आया था। विपक्ष ने साफ कहा है कि हम स्पीकर को समर्थन देंगे, लेकिन विपक्ष को डिप्टी स्पीकर का पद मिलना चाहिए। राजनाथ सिंह ने दोबारा फोन करने की बात कही थी, हालांकि कॉल नहीं आया। राहुल के बयान पर राजनाथ सिंह ने संसद

के बाहर मीडिया से कहा कि मैंने स्पीकर पद के समर्थन के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से तीन बार फोन पर बातचीत की है। वे सीनियर लीडर हैं। मैं उनका सम्मान करता हूं। एनडीए की ओर से ओम बिरला दोबारा स्पीकर पद के कैंडिडेट हैं। राजस्थान के कोटा से सांसद ओम बिरला 2019 से 2024 तक स्पीकर रह चुके हैं।

विपक्ष अपनी शर्तें थोपना चाहता था, स्पीकर पद पर आम सहमति नहीं बन पाने पर बोले पीयूष गोयल

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए आम सहमति बनाने में विफल रहने के बाद भारतीय जनता पार्टी के सांसद पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि जब राजनाथ सिंह ने कोशिश की तो कांग्रेस ने पहले उपसभापति पद तय करने की शर्त रख दी। पीयूष गोयल ने कहा कि उनकी पार्टी इस तरह की राजनीति की निंदा करती है। गोयल ने कहा, एनडीए के सभी दलों से चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया कि ओम बिरला को लोकसभा का अध्यक्ष चुना जाना चाहिए। सुबह राजनाथ सिंह जी मल्लिकार्जुन खरगे जी से चर्चा करना

चाहते थे, लेकिन वे व्यस्त थे, इसलिए उन्होंने कहा कि वेणुगोपाल जी आपसे बात करेंगे। लेकिन टीआर बालू और केसी वेणुगोपाल जी से बात करने के बाद उन्होंने शर्त रखी कि पहले तय करें कि लोकसभा का उपाध्यक्ष कौन होगा और फिर अध्यक्ष के लिए समर्थन दिया जाएगा, हम इस प्रकार की राजनीति की निंदा करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह अच्छी परंपरा है कि यदि लोकसभा सर्वसम्मति से और निर्विरोध अध्यक्ष चुनती तो सदन की गरिमा बनी रहती और सभी दलों का भी योगदान होता। पीयूष गोयल ने कहा, जिस तरह अध्यक्ष पूरे सदन का होता है, न कि सत्ता पक्ष या विपक्ष का, उसी तरह उपाध्यक्ष भी पूरे सदन का होता है। यह लोकसभा की परंपरा के अनुरूप नहीं है कि उपाध्यक्ष किसी विशेष पार्टी से हो।

अगले 8 साल तक देश में बिछेगा हाईवे का जाल; 22 लाख करोड़ की लागत से 18 हजार किलोमीटर एक्सप्रेसवे बनाने की तैयारी में रोड मिनिस्ट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के अलग-अलग हिस्सों की दूरियों को कम करने में एक्सप्रेसव बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। एक के बाद एक कई एक्सप्रेसवे बन रहे हैं। एक्सप्रेसवे पर देश तेजी से आगे बढ़ रहा है और सड़क परिवहन व हाईवे मंत्रालय भविष्य में 18 हजार किमी एक्सप्रेसवे और बनाने जा रहा है। इसके लिए नितिन गडकरी के मंत्रालय ने तैयारी कस ली है। बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देने के लिए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने 2031-32 तक लगभग 30,600 किलोमीटर राजमार्ग विकास योजना में के निवेश के लिए कैबिनेट से मंजूरी मांगी है। पिछले सप्ताह वित्त मंत्रालय को सौंपी गई और सभी प्रमुख मंत्रालयों के साथ साझा की गई इस योजना में 18,000 किलोमीटर एक्सप्रेसवे और हाई-स्पीड कॉरिडोर का निर्माण, शहरों के आसपास 4,000 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों की डिकंजेशन

और रणनीतिक और अंतरराष्ट्रीय सड़कों का निर्माण शामिल है। इसमें लगभग 35त्न निवेश निजी क्षेत्र से आएगा। हाल ही में वित्त मंत्रालय को सौंपी गई और प्रमुख मंत्रालयों के साथ साझा की गई इस योजना का उद्देश्य भारत के सड़क नेटवर्क को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाना है।

स्पीकर का पद पूरे सदन के लिए होता है, ये किसी पक्ष का चुनाव नहीं होता-चिराग पासवान

पटना (एजेंसी)। सत्तारूढ़ भाजपा नीत राजग और विपक्ष के बीच आम सहमति नहीं बन पाने के बाद पहली बार लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए चुनाव होगा। यह देश के इतिहास में पहली बार होगा कि लोकसभा स्पीकर के लिए चुनाव होगा इस पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि ये किसी पक्ष का चुनाव नहीं होता, स्पीकर का पद पूरे सदन के लिए होता है। दरअसल, अठारहवीं लोकसभा के अध्यक्ष पद के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के ओम बिरला और कांग्रेस के के. सुरेश ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। चिराग पासवान ने कहा, आजादी के बाद से मुझे नहीं याद कि इस तरीके से पद को लेकर चुनाव हो।

सत्येंद्र जैन की जमानत याचिका पर 9 जुलाई को सुनाए फैसला-सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली उच्च न्यायालय को मंगलवार को निर्देश दिया कि वह धनशोधन के एक मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के नेता एवं पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की जमानत याचिका पर मंगलवार को फैसला सुनाए। न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति एस वी एन भट्टी की पीठ ने कहा कि जमानत के मामलों को अनावश्यक रूप से स्थगित नहीं किया जाना चाहिए। पीठ ने उच्च न्यायालय से कहा कि वह सुनवाई की अगली तारीख पर जैन की याचिका पर फैसला करे। जैन ने उच्च न्यायालय द्वारा उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई को छह सप्ताह के लिए स्थगित किए जाने के खिलाफ शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने तर्क दिया था कि इसी तरह का एक मामला शीर्ष अदालत में लंबित है और इसलिए उनकी याचिका को इसके साथ संलग्न किया जाना चाहिए। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 28 मई को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जैन की याचिका पर जवाब देने और उसे मामले पर एक स्थिति रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा था। अदालत ने जेल प्राधिकारियों से जैन का रिकॉर्ड भी मांगा था और मामले पर अगली सुनवाई के लिए 9 जुलाई की तारीख तय की थी।

प्रधानमंत्री मोदी के 'अघोषित आपातकाल ने लोकतंत्र को गहरा आघात पहुंचाया-खरगे

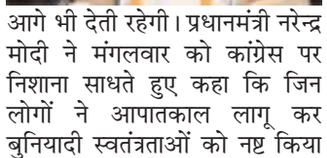

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आपातकाल के संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गई टिप्पणी को लेकर उन पर पलटवार करते हुए मंगलवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री अपनी कमियां छिपाने के लिए अतीत को कुदरते रहते हैं, जबकि उनके शासनकाल में 10 साल के ''अघोषित आपातकाल%% ने लोकतंत्र एवं संविधान को गहरा आघात पहुंचाया है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस ने हमेशा लोकतंत्र और संविधान का साथ दिया है और

आगे भी देती रहेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन लोगों ने आपातकाल लागू कर बुनियादी स्वतंत्रताओं को नष्ट किया और भारत के संविधान को कुचला, उन्हें संविधान के प्रति प्रेम जाहिर करने का कोई अधिकार नहीं है। आपातकाल की बरसी पर मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक के बाद एक पोस्ट में कहा कि जिस मानसिकता के कारण देश में आपातकाल लगाया गया था, वह आज भी उस पार्टी में जीवित है जिसने इसे लागू किया था। उनकी टिप्पणी के जवाब में खरगे ने 'एक्स पर पोस्ट किया, ''नरेन्द्र मोदी जी, देश भविष्य की ओर देख रहा है, आप अपनी कमियां छिपाने के लिए अतीत को ही कुरेदते रहते हैं।

कर्नाटक में 3 और उपमुख्यमंत्री बनाने पर बोले डीके शिवकुमार, कहा- मंत्रियों की मांग का उचित हल निकालेगी कांग्रेस

बैंगलुरू (एजेंसी)। कर्नाटक में तीन और उपमुख्यमंत्री के पद की मांग करने वाले मंत्रियों के प्रति अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि पार्टी मंत्रियों की मांगों का उचित हल निकालेगी। शिवकुमार फिलहाल सिद्धारमैया नीत मंत्रिमंडल में एकमात्र उपमुख्यमंत्री हैं। शिवकुमार वोक्कालिगा समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। मंत्रिमंडल में शामिल कुछ मंत्री वीरशैव-लिंगायत, अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक समुदायों के नेताओं को उपमुख्यमंत्री पद देने की वकालत कर रहे हैं। शिवकुमार ने एक सवाल के जवाब में संवाददाताओं से कहा, आप लोग (मीडिया) कोई कुछ भी कहता है, तो उसकी खबर बना देते हो। मैं उन लोगों को न क्यों कहूंगा जो खुश (खबरों में दिखाई देने वाले लोग) हैं। कोई कुछ भी मांग कर सकता है पार्टी उनका उचित जवाब देगी। यह सामान्य बात है। यह पूछे जाने पर कि क्या पार्टी की और उपमुख्यमंत्री बनाने की योजना है।

पानी पर आतिशी का अनिश्चितकालीन अनशन खत्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी की सोमवार देर रात को तबीयत बिगड़ गई। जिसक चलते उन्हें एलएनजेपी हॉस्पिटल के आईसीयू वार्ड भर्ती किया गया है। उनका शुगर लेवल 36 पर आ गया है। आतिशी की बिगड़ी तबीयत को लेकर आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि आतिशी जी की तबीयत बहुत बिगड़ गई, पहले उनका ब्लड शुगर लेवल 43 आया, फिर वो 36 आया और उसके बाद ने कहा कि उनकी जान जा सकती है, हालत बहुत गंभीर है, उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ेगा। आप सांसद संजय सिंह ने आगे कहा कि हम उन्हें रात को ही अस्पताल लेकर आए थे। उन्हें भर्ती कराया गया है। जहां डॉक्टर उनका इलाज कर रहे हैं और मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि वे जल्दी ठीक हो जाएं। वे 5 दिनों से भूख हड़ताल पर थीं। मैं प्रधानमंत्री को पत्र

भी लिख रहा हूँ और संसद में भी यह मुद्दा उठाऊँगा। आदमी पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफोर्म एक्स पर आप मंत्री आतिशी की बिगड़ी तबीयत को लेकर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जल मंत्री आतिशी जी की तबियत बिगड़ी।

नीट घोटाले में 700 छात्रों को निशाना बनाया गया, 300 करोड़ रुपए की ठगी का लक्ष्य-पेपर लीक माफिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक घोटाले के बीच इंडिया टूडे के स्टिंग में नेटवर्क के एक अहम सदस्य ने ऑपरेशन की पेचीदगियों को समझाया। बिजेंद्र गुप्ता नाम का यह शख्स पहले भी कई पेपर लीक मामलों में शामिल रहा है और उसे दो बार गिरफ्तार किया गया, लेकिन वह पुलिस से बच निकलने में कामयाब रहा। मार्च का उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वह बताते

हुए नजर आ रहे हैं कि नीट-यूजी का पेपर लीक हो जाएगा। बिजेंद्र गुप्ता 2023 ओडिशा कर्मचारी चयन आयोग (ह्रस्स्ष्ट) परीक्षा पेपर लीक मामले, बिहार लोक सेवा आयोग और मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग पेपर लीक मामले में शामिल था। पेपर लीक नेटवर्क में 24 साल के अनुभव के साथ बिजेंद्र गुप्ता का दावा है कि इस व्यवसाय में नेटवर्किंग ही मायने रखती है।

भारत को तीरंदाजी में ओलंपिक कोटा, दीपिका और तरूणदीप चौथी बार खेलेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले 12 साल में पहली बार भारत ओलंपिक में पूरा छह सदस्यीय दल भेजेगा जो पेरिस ओलंपिक में सभी पांच वर्गों में भाग ले सकेगा। भारत ने सोमवार को विश्व तीरंदाजी की नवीनतम रैंकिंग के आधार पर पेरिस ओलंपिक के लिए तीरंदाजी में पुरुष और महिला टीम कोटा हासिल कर लिया। भारत इस तरह से पेरिस में सभी पांच पदक स्पर्धाओं (पुरुष और महिला टीम, व्यक्तिगत और मिश्रित श्रेणियों) में प्रतिस्पर्धा करने का पात्र होगा। भारत ने पुरुष और महिला दोनों वर्गों में क्वालिफिकेशन हासिल करने में नाकाम रहे देशों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर टीम कोटा पक्का किया। पिछली बार भारत ने लंदन ओलंपिक 2012 में छह सदस्यीय तीरंदाजी टीम भेजी थी जिसने चार वर्गों में भाग लिया। मिश्रित टीम स्पर्धायें तोक्यो ओलंपिक से ही शुरू हुई है। भारत ने तीरंदाजी में कभी ओलंपिक पदक नहीं जीता है। पुरुष वर्ग में रैंकिंग के आधार पर भारत और चीन ने कोटा हासिल किया, जबकि महिला वर्ग में भारत के अलावा इंडोनेशिया कोटा हासिल करने वाला दूसरा देश रहा। ओलंपिक में 12 देश टीम स्पर्धाओं में चुनौती पेश करेंगे जबकि मिश्रित प्रतियोगिताओं में पांच टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी। यह पहली बार है जब तीन चरण के ओलंपिक क्वालीफायर के बाहर रहने वाले शीर्ष दो देशों को टीम कोटा प्रदान किया गया है। अनुभवी तीरंदाज तरूणदीप रॉय और दीपिका कुमारी रिकॉर्ड चौथी बार ओलंपिक में चुनौती पेश करेंगे। सेना के 40 साल के दिग्गज तरूणदीप ने 2004 में एथेंस ओलंपिक में पहली बार देश का प्रतिनिधित्व किया था। जबकि दीपिका का यह लगातार चौथा ओलंपिक होगा।

श्रीलंका के खेलमंत्री ने कहा, नाइट क्लब जाने से टी20 विश्व कप से बाहर नहीं हुई टीम

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के खेलमंत्री हारिन फर्नांडो ने सोमवार को आलोचकों से कहा कि वे साबित करके दिखायें कि श्रीलंकाई क्रिकेट टीम कथित तौर पर नाइट क्लब जाने के कारण टी20 विश्व कप से जल्दी बाहर हो गई। श्रीलंका ग्रुप डी में तीसरे स्थान पर रहने के बाद सुपर आठ चरण में नहीं पहुंच सकी। टीम बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका से हार गई जबकि नेपाल के खिलाफ मैच बारिश की भेंट हो गया। उसने एकमात्र जीत नीदरलैंड के खिलाफ दर्ज की। फर्नांडो ने कहा ,'' मैं उन्हें (आलोचकों को) चुनौती देता हूं कि वे इसे साबित करे। अगर वे ऐसा कर सके तो मैं पद से इस्तीफा दे दूंगा।'' ऐसा आरोप लगाया जा रहा है कि देर रात तक नाइट क्लब में रहने के कारण टीम अभ्यास सत्र में देर से पहुंची थी। फर्नांडो नवंबर 2023 में रोशन रणसिंघे की जगह खेलमंत्री बने थे।

गोल्फर अदिति और दीक्षा ने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक और दीक्षा डागर ने सोमवार को विश्व रैंकिंग के आधार पर पेरिस ओलंपिक के टिकट हासिल कर लिये। दोनों महिला खिलाड़ियों से पहले शुभंकर शर्मा और गगनजीत भुल्लर (पुरुष वर्ग) ने भी ओलंपिक के लिए क्वालिफिकेशन पक्का कर लिया था। इससे चार सदस्यीय भारतीय टीम 26 जुलाई से 11 अगस्त तक आयोजित होने वाले खेलों में चुनौती पेश करेंगी। अदिति पहली भारतीय गोल्फर है जो तीसरी बार ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करेंगी। दीक्षा के लिए यह दूसरा मौका होगा तो वहीं शुभंकर और भुल्लर पहली बार इन खेलों में चुनौती पेश करेंगे। ओलंपिक में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अदिति ने ही किया है। वह तोक्यो ओलंपिक में पदक से चूक कर चौथे स्थान पर रही थी। ओलंपिक प्रविष्टियां भारतीय गोल्फ संघ द्वारा भेजी जाती हैं। ओलंपिक के लिए क्वालिफिकेशन रैंकिंग द्वारा निर्धारित की जाती है, जो आधिकारिक विश्व गोल्फ रैंकिंग (ओडब्ल्यूजीआर) के माध्यम से 60 पुरुष और इतनी ही महिला खिलाड़ियों तक सीमित है। ओडब्ल्यूजीआर में शीर्ष 15 खिलाड़ी ओलंपिक के लिए पात्र होते है। इसमें एक देश से अधिकतम चार गोल्फरों की अनुमति है। इसके बाद ओलंपिक गोल्फ रैंकिंग (ओजीआर) के आधार पर खिलाड़ियों को कोटा मिलता है। इसमें एक देश से अधिकतम दो खिलाड़ी जगह पात्र होते है बशर्ते उस देश को ओडब्ल्यूजीआर के कोटे से जगह नहीं मिली हो।

जश्न में डूबा अफगानिस्तान, दुनिया ने बांधे टीम की तारीफों के पुल

काबुल (एजेंसी)। दिग्गजों को जमींदोज करके टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंची अफगानिस्तान क्रिकेट टीम की इस उपलब्धि ने पूरे देश को जश्न में सराबोर कर दिया और लोग सड़कों पर खुशियां बांटने निकल पड़े। बांग्लादेश के खिलाफ सुपर आठ चरण के वर्षाबाधित मैच में अफगानिस्तान ने आठ रन से जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में जगह बनाई। इसके साथ ही उसने आस्ट्रेलिया जैसे दिग्गज को भी बाहर कर दिया।

इससे पहले ग्रुप चरण में उसने न्यूजीलैंड को हराया था। नवीनुल हक ने जैसे ही मुस्ताफिजूर रहमान को पगबाधा आउट किया , खोस्त, पकतिया और काबुल में बड़ी तादाद में क्रिकेटप्रेमी जुटने लगे। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इन शहरों की तस्वीरें एक्स पर डाली है। इसके साथ कैप्शन दिया है,'' देखो कि सफलता के हमारे लिये क्या मायने हैं।'' एक और पोस्टर में हजारों प्रशंसकों को सड़कों पर , अपने घरों की बालकनी में और दुकानों की छतों पर जश्न मनाते देखा गया। कैप्शन में कहा गया ,'' उन्हें पता है कि टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान के नायकों की जीत का जश्न कैसे मनाना है।'' चैम्पियन बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने लिखा ,'' अफगानिस्तान का सेमीफाइनल में पहुंचना अतुलनीय है। न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया जैसी टीमों को हराया।

यह जीत आपकी प्रतिबद्धता और कड़ी मेहनत की देन है। आपकी प्रगति पर गर्व है।'' आस्ट्रेलिया के पूर्व हरफनमौला टॉम मूडी ने टीम को बधाई देते हुए कहा ,'' क्या शानदार मैच था। अफगानिस्तान टीम को बधाई।'' पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने लिखा ,''क्या शानदार जीत। न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचना। इसे ही तरक्की कहते हैं।

सिर्फ ब्रायन लारा थे जिन्हें हमारे सेमीफाइनल में पहुंचने का यकीन था-राशिद खान

किंग्सटाउन (एजेंसी)। दो महीने पहले ब्रायन लारा ने अफगानिस्तान के टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना जताई थी तो कइयों को हैरानी हुई लेकिन यह करिश्मा कर दिखाने वाली टीम के कप्तान राशिद खान ने उनसे वादा किया था कि वह उनके भरोसे पर खरे उतरकर दिखायेंगे। और ऐसा ही हुआ। काबुलीवाला की कहानी वाले युद्ध से जर्जर इस देश की यह कामयाबी अब क्रिकेट की किवदंतियों का हिस्सा होगी। अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को सुपर आठ चरण के आखिरी मैच में डकवर्थ लुईस प्रणाली से आठ विकेट पर हराकर न सिर्फ पहली बार विश्व कप के अंतिम चार में जगह बनाई बल्कि आस्ट्रेलिया जैसी दिग्गज को भी टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। लारा ने मई में पीटीआई संपादकों से बातचीत में एक सवाल के जवाब में कहा था ,'' वेस्टइंडीज, भारत और इंग्लैंड सेमीफाइनल में पहुंच सकते हैं। चौथे स्थान के लिये मेरा दाव एक डार्कहॉर्स अफगानिस्तान पर है। मैंने रुपिंग देखी नहीं है लेकिन अफगानिस्तान ने जितने विश्व कप उसने अतीत में खेले हैं, यह टीम प्रगति की राह पर है और अंतिम चार में जगह बना सकती है।'' राशिद ने सेमीफाइनल में जगह पक्की करने के बाद कहा ,'' हमारे लिये सेमीफाइनल में पहुंचना सपना सच होने जैसा है। हमने न्यूजीलैंड को हराया तो यह भरोसा बनने लगा था।'' बांग्लादेश के खिलाफ मोर्चे से अगुवाई करके चार विकेट लेने वाले राशिद ने कहा ,'' सिर्फ एक ही व्यक्ति है जिसने कहा था कि हम सेमीफाइनल तक पहुंच सकते हैं और वह ब्रायन लारा हैं। हमने उन्हें सही साबित कर दिखाया। जब हम स्वागत पार्टी में उनसे मिले तो मैने उनसे कहा था कि हम आपके भरोसे पर खरे उतरेंगे।'' सेमीफाइनल में 27 जून को अफगानिस्तान का सामना दक्षिण अफ्रीका से और भारत की टक्कर इंग्लैंड से होगी। तेज गेंदबाज नवीनुल हक और फजलहक फारूकी ने पूरे टूर्नामेंट में नयी गेंद से शानदार प्रदर्शन किया। राशिद ने कहा ,''टी20 क्रिकेट में अच्छी शुरूआत से बीच के ओवरों में मदद मिलती है। पूरे टूर्नामेंट में इन दोनों ने शानदार शुरूआत दी जिससे हमारी राह आसान हो गई।'' बारिश के कारण खेल कई बार रोका गया।राशिद ने कहा कि वे दस विकेट लेने के लिये मानसिक रूप से तैयार थे।

उन्होंने कहा ,'' बारिश हमारे हाथ में नहीं है लेकिन हमें पता था कि पूरे 20 ओवर खेलकर दस विकेट लेने हैं। इसी तरीके से हम जीत सकते थे। गुलबदिन को ऐंठन हो गई थी लेकिन उसका विकेट हमारे लिये अहम था।'' कप्तान ने कहा कि अफगानिस्तान में जश्न का माहौल होगा। उन्होंने कहा ,'' यह हमारे लिये भी बड़ी उपलब्धि है। हमने अंडर 19 स्तर पर यह किया है लेकिन इस स्तर पर नहीं। मैं बयां नहीं कर सकता कि देश में क्या माहौल होगा। हमें हर हालत में सेमीफाइनल में पहुंचना था ताकि देशवासियों को यह खुशी दे सकें।

अगर पाकिस्तान दौरे पर आई टीम इंडिया तो क्या होगा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैपियंस ट्रॉफी 2025 पाकिस्तान में होने वाली है। इसमें भारत समेत कुल सात देश हिस्सा लेंगे। हालांकि, भारत और पाकिस्तान में मैच खेलने जाएगा या नहीं, इस पर अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है। भारत और होस्ट पाकिस्तान के अलावा, चैंपियंस ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश, न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान हैं। भारत के चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने या न खेसने के सवाल के बीच पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने कुछ उम्मीदें जताई हैं। वसीम ने आशा जताई है कि भारतीय टीम पाकिस्तान का दौरान करेगी। साथ ही वसीम अकरम ने कहा कि, मुझे पूरी उम्मीद है कि भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने के लिए पाकिस्तान जरूर आएगी। उन्होंने कहा कि पूरा देश सभी टीमों का इंतजार कर रहा है। हम उनका शानदार स्वागत करने के लिए तैयार हैं। अकरम ने आगे कहा कि हमारे पास अच्छी सुविधाएं हैं। हम नए स्टेडियम पर भी काम रहे हैं। लाहौर, कराची और इस्लामाबाद में नए स्टेडियम तैयार किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा यकीन है कि ये एक बेहतरीन टूर्नामेंट होगा और पाकिस्तान को इसी की जरूरत है। बता दें कि, साल 2006 के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच कोई भी द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली गई है। पिछले लंबे अरसे से दोनों टीमें स्निफ आईसीसी टूर्नामेंट के दौरान ही आमने-सामने हुई हैं। इसकी वजह है, दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण रिश्ते। चैंपियंस ट्रॉफी में भारत का हिस्सा लेगा या नहीं, इसको लेकर भी अनिश्चितता बनी हुई है। बीसीसीआई का कहना है कि भारत सरकार से मंजूरी मिलने के बाद ही इस बारे में कोई फैसला लेगी।

घरेलू सत्र से पहले बीसीसीआई के अधिकारियों और राज्य संघों के प्रतिनिधियों की बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सचिव जय शाह सहित भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अधिकारियों और राज्य संघों के प्रतिनिधियों ने सोमवार को यहां एक अनौपचारिक बैठक की जिसमें 'विचारों का आदान-प्रदान' किया गया और घरेलू क्रिकेट के नए ढांचे पर चर्चा की गई। भारत का घरेलू सत्र 2024-25 दलीप ट्रॉफी के साथ पांच सितंबर से शुरू होगा। उसके बाद ईरानी कप और फिर रणजी ट्रॉफी होगी जिसे पहली बार दो हिस्सों में विभाजित किया गया है। ऐसा उत्तर भारत में सर्दियों में खराब मौसम से निपटने और खिलाड़ियों को मैचों के बीच आराम और उबरने के लिए अधिक समय देने के उद्देश्य से किया गया है। यहां वानखेड़े स्टेडियम में बीसीसीआई मुख्यालय में हुई बैठक में बोर्ड ने नए प्रारूप पर राज्य संघों से उनकी प्रतिक्रिया भी मांगी। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण, भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़, चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर और कप्तान रोहित शर्मा की सिफारिशों पर नए प्रारूप को लागू किया गया है। बीसीसीआई का लक्ष्य एक साल बाद इसकी समीक्षा करना है। बोर्ड की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया, ''बैठक में 2023-24 के सबसे व्यस्त क्रिकेट सत्र के आयोजन में राज्य संघों के सराहनीय प्रयासों पर प्रकाश डाला गया जिसमें विश्व कप 2023, आईपीएल, डब्ल्यूपीएल के साथ-साथ विभिन्न अंतरराष्ट्रीय द्विपक्षीय श्रृंखलाएं और एक पूर्ण घरेलू क्रिकेट सत्र शामिल है।''राज्य संघों से आने वाले सत्र में खिलाड़ियों के लिए और अधिक प्रयास करने का आग्रह किया गया जबकि उन्हें बेंगलुरू में नए उत्कृष्टता केंद्र के विकास और पूर्वोत्तर राज्यों, पटना और जम्मू में इनडोर अकादमियों की स्थापना के बारे में जानकारी दी गई।

बांग्लादेश पर अफगानिस्तान की जीत के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेविड वार्नर का सफर खत्म

किंग्सटाउन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज डेविड वार्नर के उपलब्धियों और विवादों से भरे 15 साल लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर का मंगलवार को यहां टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान की बांग्लादेश पर जीत के साथ निराशाजनक अंत हो गया। अफगानिस्तान की जीत के साथ पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहा। बांग्लादेश के खिलाफ जीत के साथ 2021 का चैंपियन ऑस्ट्रेलिया सिर्फ दो अंक के साथ सुपर आठ ग्रुप एक तालिका में तीसरे स्थान पर रहा। टीम को अफगानिस्तान के खिलाफ चौंकाने वाली हार के अलावा भारत के खिलाफ भी शिकस्त झेलनी पड़ी।

जनवरी 2009 में टी20 मुकाबले के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले 37 वर्षीय वार्नर ने अपना अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच 24 जून को ग्रॉस आइलेट में भारत के खिलाफ खेला जिसमें ऑस्ट्रेलिया को 24 रन से हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया के सर्वकालिक महान बल्लेबाजों में से एक वार्नर को गॉर्ड ऑफ ऑनर नहीं मिल सका और ना ही दर्शकों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया। अपने अंतिम मुकाबले में उन्होंने छह गेंद में छह रन बनाए और अर्शदीप सिंह की गेंद पर सूर्यकुमार यादव को कैच दे बैठे। वह सिर झुकाए मैदान से बाहर चले गए, उन्हें नहीं पता था कि यह उनका आखिरी मैच था या नहीं।

वार्नर ने नवंबर 2023 में भारत में विश्व कप फाइनल जीत के रूप में अपना आखिरी एकदिवसीय मैच और इस साल जनवरी में पाकिस्तान के खिलाफ अपना अंतिम टेस्ट खेला। उन्होंने काफी पहले ही संकेत दे दिया था कि यह टी20 विश्व कप उनका अंतिम अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट होगा। वार्नर ने 110 मैच में 33.43 के औसत और 142.47 के स्ट्राइक रेट से 3,277 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया के सर्वोच्च स्कोरर और दुनिया के सातवें सबसे सफल बल्लेबाज के रूप में टी20 प्रारूप से संन्यास लिया। उन्होंने सबसे छोटे प्रारूप में एक शतक और 28 अर्द्धशतक बनाए।

उन्होंने 2011 से 2024 के बीच 112 टेस्ट में 44.59 की औसत से 26 शतक और 37 अर्द्धशतक के साथ 8,786 रन बनाए जबकि 161 एकदिवसीय मुकाबलों में 22 शतक और 33 अर्धशतक की मदद से 45.30 की औसत से 6,932 रन जोड़े। वार्नर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 49 शतक और 19,000 के करीब रन बनाए। उन्होंने स्वीकार किया था कि उनका नाम हमेशा के लिए 'सैंडपेपर गेट प्रकरण' से जुड़ा रहेगा जो 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच के दौरान केपटाउन के न्यूलैंड्स में हुआ था।

न्यूलैंड्स टेस्ट में कैमरन बेनक्रॉफ्ट ने गेंद को खुरचने के लिए सैंडपेपर का इस्तेमाल किया था और प्रकरण में शामिल होने के लिए वार्नर पर एक साल का प्रतिबंध लगाया गया था। तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ को भी यही सजा मिली थी। वार्नर को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट ढांचे में किसी भी नेतृत्व की भूमिका निभाने से भी आजीवन प्रतिबंधित कर दिया गया था। पिछले हफ्ते ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच सुपर आठ के मुकाबले से पहले नॉर्थ साउंड में उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि यह अपरिहार्य होगा कि जब लोग 20 या 30 साल बाद मेरे बारे में बात करेंगे तो हमेशा सैंडपेपर प्रकरण की चर्चा होगी।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन मेरे लिए अगर वे वास्तव में क्रिकेट प्रेमी हैं और उन्हें क्रिकेट से प्यार है, (साथ ही) मेरे सबसे करीबी समर्थक हैं, तो वे हमेशा मुझे उस क्रिकेटर के रूप में देखेंगे - जिसने खेल को बदलने की कोशिश की।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 24 रन से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर-8 राउंड में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 24 रन से हरा दिया। दोनों टीमों के बीच ये मुकाबला सेंट लूसिया के डैरेन सैमी क्रिकेट ग्राउंड पर खेला गया। टीम इंडिया ने इस जीत के साथ ही पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में मिली हार का बदला ऑस्ट्रेलिया से ले लिया है। भारतीय टीम ग्रुप 1 में विजयी रहकर सेमीफाइनल में पहुंच गई है।

अब उसका मुकाबला 27 जून इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल के लिए होगा। मैच की बात करें तो, भारत ने टॉस गंवाकर रोहित शर्मा की ताबड़तोड़ पारी की बदौलत टीम इंडिया ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 205 रन बनाए, जिसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 20 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर महज 181 रन ही बना सकी। जहां रोहित ने 41 गेंदों पर 92 रन की तूफानी पारी खेली, तो सूर्यकुमार यादव ने 31 और शिवम दुबे ने 28 रन बनाए। हार्दिक पंड्या 27 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल स्टार्क और मार्कस स्टोइनिस ने 2-2 विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया के लिए ट्रैविस हेड ने 43 गेंद पर 76 रन बनाए, लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला पाए। उन्होंने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023 और वनडे वर्ल्ड कप फाइनल 2023 में शतक लगाकर भारत का सपना तोड़ा था। वह इस बार वैसा कमाल दिखाने में नाकामयाब रहे हैं। वहीं कप्तान मिचेल मार्श ने 28 गेंद पर 37 रन बनाए। भारत के लिए अर्शदीप सिंह ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। कुलदीप यादव को 2 विकेट मिले, जसप्रीत बुमराह ने हेड का सबसे बड़ा झटका।

जनसुनवाई में 75 प्रकरणों की हुई सुनवाई

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। कलेक्टर अनुराग वर्मा के निर्देशन में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित मंगलवार की जनसुनवाई में डिप्टी कलेक्टर गोविंद सोनी ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आये लोगों की समस्यायें सुनी। जनसुनवाई में 75 आवेदकों की समस्याएं सुनी गईं और समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में जमीन का सीमांकन कराने, अनुकंपा नियुक्ति, गरीबी रेखा में नाम जोड़ने, खाद्यान पात्रता पर्ची, दाखिल-खारिज कराने, प्रधानमंत्री आवास योजना, अवैध कब्जा हटाने, राशन कार्ड बनाने, विद्युत समस्या, वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन, जमीन का कब्जा दिलाने, चिकित्सा सहायता, रोजगार दिलाने, भरण-पोषण और संबल योजना के लाभ संबंधी आवेदन लेकर जनसुनवाई में पहुंचे।

मैहर में 43 आवेदनों पर हुई सुनवाई: मथुरा साकेत को मिली कान की मशीन, मुरैली का पेंशन पोर्टल में तत्काल जोड़ा गया नाम मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने जिले के विभिन्न अंचलों से अपनी समस्याओं का आवेदन लेकर आये 43 आवेदकों की समस्याएं सुनी और समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर ग्राम जुरा के मथुरा साकेत ने आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि उनकी श्रवण क्षमता कम हो गई है। जिससे सुनने में काफी परेशानी हो रही है। इसके लिये कान की मशीन की आवश्यकता है। इस पर कलेक्टर बाटड ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुये मथुरा साकेत को हियरिंग एड (श्रवण यंत्र) उपलब्ध कराया। कान में श्रवण यंत्र लग जाने के बाद कलेक्टर ने नाम, गांव का पता पूंछा। सब कुछ साफसुनाई देने पर उन्होने कलेक्टर के सवालों का जवाब भी दिया। इस सौगात के लिए मथुरा ने शासन-प्रशासन को धन्यवाद दिया।

जनसुनवाई में जनसुनवाई के दौरान ग्राम गौरइया निवासी रतिमान साकेत ने बताया कि मेरे नाती का नाम समग्र पोर्टल में ग्राम पंचायत की गलती से नहीं जुड़ पाने के कारण उसे राशन वितरण योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। इसी तरह ग्राम पंचायत सोनवारी से ग्रामीणों ने सार्वजिनक मार्ग में अतिक्रमण किये जाने की शिकायत प्रस्तुत की गई है। बताया गया कि प्राचीन मडफ्हा हनुमान मंदिर जाने के मार्ग को नागेंद्र सिंह द्वारा पत्थर डालकर अवरुद्ध कर दिया गया है। मार्ग बंद हो जाने से आवागमन नहीं हो पा रहा है। जनसुनवाई में ग्राम पंचायत कुटाई की 71 वर्षीय वृद्धा मुरैली चौधरी ने आवेदन दिया कि पति की मृत्यु के बाद पेंशन योजना का लाभ मिलना बंद हो गया है। कलेक्टर के निर्देश पर कार्यवाही करते हुये तत्काल ही महिला का नाम पोर्टल में दर्ज किया गया। कलेक्टर बाटड ने सभी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुये संबंधित अधिकारियों को निराकरण करने के निर्देश दिये। इस मौके पर अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह, तहसीलदार मैहर जितेंद्र पटेल, डीएसओ केएस भदौरिया, सीएमओ लालजी ताम्रकार, सीईओ जनपद प्रतिपाल बागरी एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस आज

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस हर साल 26 जून को दुनियाभर में मनाया जाता है। इस अवसर पर नशामुक्ति के लिये लोगों को जागरुक करने मद्यपान एवं मादक पदार्थों, नशीली दवाईयां, शराब एवं विभिन्न प्रकार के नशे से होने वाले दुष्परिणामों से समाज, युवाओं को अवगत कराने के संबंध में जनजागृति के कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

कलेक्टर अनुराग वर्मा ने सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग को शासन द्वारा आयोजन के संबंध में निर्धारित रुपरेखा के अनुसार गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिये हैं। इसके अलावा पुलिस, जेल, शिक्षा, उच्च शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य, जन अभियान परिषद सहित ग्रामीण और नगरीय निकायों के प्रमुख अधिकारियों को भी क्षेत्र में नशामुक्ति के संबंध में कार्यक्रम आयोजित करने को कहा गया है। इसमें पोस्टर प्रतियोगिता, निबंध लेखन, भाषण प्रतियोगिता, रंगोली जैसे कार्यक्रम शामिल होंगे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से नशीले एवं मादक पदार्थों के सेवन से होने वाली कैंसर, क्षय रोग, हृदय रोग जैसी गंभीर बीमारियों के संबंध में लोगों को जागरूक किया जाएगा। सामाजिक न्याय संचालनालय के निर्देशानुसार अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के अवसर पर जिलों में योग और ध्यान के कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। इसी प्रकार ट्रैफ्फिक पुलिस के माध्यम से नशामुक्ति के संबंध में पम्पलेट का वितरण किया जायेगा। राष्ट्रीय नशामुक्ति के संबंध में हेल्पलाइन नम्बर 14446 से भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

अनुदान पर कृषि यंत्र उपकरणों के लिये ई-पोर्टल पर आवेदन 26 जून तक

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। संचालनालय कृषि अभियांत्रिकी मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा ई-कृषि यंत्र अनुदान पोर्टल पर सतना जिले के लक्ष्य निर्धारित कर दिये गये हैं। सहायक कृषि यंत्री सतना वीपी त्रिपाठी ने बताया कि सतना और मैहर जिले के लक्ष्यानुसार इच्छुक किसानों से अनुदान पर कृषि यंत्र क्रय करने पोर्टल पर 26 जून तक आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। प्राप्त आवेदनों के आधार पर 27 जून 2024 को लॉटरी के माध्यम से हितग्राही का चयन किया जायेगा।

निर्धारित लक्ष्यानुसार रोटावेटर के लिये 9 का लक्ष्य है और इसके लिये 5 हजार रुपये का डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) धरोहर राशि के रुप में देना होगा। सीड कम फर्टिलाइजर ड्रिल/जीरो ट्रिलेज सीड कम फर्टिलाइजर ड्रिल/रेज्ड वेड प्लांटर, रिजेफेरो प्लांटर और मल्टीक्रॉप प्लांटर के लिये 7 का लक्ष्य है। इसके लिये 2 हजार रुपये की डीडी धरोहर के रुप में देनी होगी। मांग अनुसार आवेदन की श्रेणी में आवेदन की अंतिम तिथि निर्धारित नहीं हैं। इनमें कृषि यंत्र सुपर सीडर, न्यूमेटिक प्लांटर, स्वचालित टूल बार-राइड ऑन टाइप के लिये 5-5 हजार रुपये की डीडी धरोहर राशि के रुप में देनी होगी। कृषक स्वयं के बैंक खाते से धरोहर राशि का डिमांड ड्राफ्ट संबंधित जिले के सहायक कृषि यंत्री सतना के नाम बनवाकर आवेदन कर सकते हैं। संबंधित विषय की जानकारी के लिये मोबाइल नंबर 8224029722 पर संपर्क किया जा सकता है।

चाकू मारकर युवक की हत्या

एएसआई का बेटा गिरफ्तार, फोन कर चाय की दुकान पर बुलाया था

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। रीवा रोड पर चाकू मारकर युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने एक पुलिस कर्मी के बेटे को गिरफ्तार किया है। अब उसके अन्य साथियों की तलाश जारी है।

हासिल जानकारी के मुताबिक, रविवार की रात रीवा रोड स्थित आईसीआईसीआई बैंक के पास चाकू मार कर आशुतोष पयासी (24) निवासी मंदाकिनी विहार कॉलोनी सतना की हत्या करने के मामले में एएसआई का बेटा पुलिस के शिकंजे में फंसा है।

पुलिस ने एएसपी संतोष तिवारी के बेटे शुभम तिवारी को

गिरफ्तार किया है। घटना स्थल पर शुभम ने ही मृतक को फोन कर के बुलाया था।

पुलिस ने बताया कि घटना के वक्त मृतक के साथ रहे उसके दोस्त साहिल वर्मा ने बताया था कि पिछले दिनों गढ़िया टोला में अंकुल त्रिपाठी नामक युवक का मृतक से झगड़ा हुआ था। उसी मामले में समझौते की बातें चल रही थीं। इसी संबंध में शुभम तिवारी ने साहिल वर्मा को फोन किया था और मृतक आशुतोष को लेकर बैंक के पास चाय की दुकान पर बुलाया था। वे जब वहां पहुंचे तो चाय की दुकान बंद थी।

इसी दौरान आशुतोष पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया गया। घायल आशुतोष को रीवा ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस अब शुभम से पूछताछ कर उसके अन्य साथियों की तलाश कर रही है। अंकुल त्रिपाठी की भी खोजबीन के लिए टीम लगाई गई हैं।

राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने 'कौशलम सुबोध' पत्रिका का किया अवलोकन

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। प्रदेश की नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने भोपाल में 'कौशलम सुबोध' पत्रिका का अवलोकन किया गया। इसके साथ ही प्रधान संपादक डॉ पंकज पांडेय के साथ तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास पर चर्चा की गई।

परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण के लिये 10 जुलाई तक करें आवेदन

मीडिया ऑडीटर, रीवा निप्र। अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को मध्यप्रदेश राज्य सिविल सेवा मुख्य परीक्षा, बैंकिंग, रेलवे, एसएससी, बीमा तथा कर्मचारी चयन मंडल द्वारा आयोजित चयन परीक्षाओं के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। परीक्षा पूर्व यह प्रशिक्षण ज्ञानोदय विद्यालय केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-एक के पास निरूशुल्क दिया जायेगा। प्रशिक्षण में शामिल होने के लिए अनुसूचित जाति एवं जनजाति के पात्र आवेदक 10 जुलाई तक कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा पंजीकृत डाक से आवेदन जमा कर सकते हैं। इसके लिए आवेदक की आयु 18 से 35 वर्ष तथा परिवार की वार्षिक आय 6 लाख रुपए कम होना आवश्यक है। आवेदक को न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता की परीक्षा में 55 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करना आवश्यक है। यदि आवेदकों की संख्या अधिक हुई तो अंकों के आधार पर सूची तैयार कर अधिकतम अंकों से क्रमशरू चयन किया जाएगा।

इस संबंध में संस्था के प्राचार्य ने बताया कि प्रशिक्षण के लिए चयन होने के बाद विद्यार्थी को पाँच सौ रुपए की सुरक्षा निधि तथा अनुबंध जमा करना आवश्यक होगा। सुरक्षा निधि प्रशिक्षण पूरा होने के बाद वापस की जाएगी। मध्यप्रदेश राज्य सिविल सेवा परीक्षा के लिए प्रशिक्षण की अवधि 12 माह की होगी। बैंकिंग, रेलवे, बीमा, एसएससी एवं कर्मचारी चयन मण्डल की परीक्षाओं के लिए प्रशिक्षण अधिकतम 6 माह का होगा। जिन परीक्षाओं में शामिल होने के लिए प्रवेश परीक्षा की अनिवार्यता है उनकी आवेदन के साथ ऑनलाइन पंजीयन का विवरण संलग्न करना अनिवार्य होगा। प्रशिक्षण के संबंध में अन्य विवरण टेलीफोन नम्बर 07662-299221 पर संपर्क करके प्राप्त किया जा सकता है। आवेदन पत्र आवश्यक दस्तावेजों के साथ ईमेल पीईटीसीआरईडब्ल्यूए एट द रेट जीमेल डॉट कॉम पर भी भेजे जा सकते हैं।

अवैध बालू मंडी को लेकर नाराजगी

सड़क पर उतर कर क्षेत्रीय लोगों ने जताया विरोध

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सोहावल मोड़ पर बाईपास के समीप लगने वाली अवैध बालू मंडी को लेकर जनाक्रोश भड़क उठा है। मंगलवार को क्षेत्रीय लोग बालू मंडी हटाने की मांग को लेकर सड़क पर उतर आए।

सोहावल मोड़ बाईपास मार्ग पर सड़क के किनारे ट्रक खड़े कर खोल ली गई अवैध बालू मंडी का मुद्दा गरमा गया है। मंगलवार को स्थानीय लोग इस मंडी और वहां खड़े होने वाले ट्रकों के विरोध में सड़क पर उतरकर प्रदर्शन करने जा पहुंचे। नाराज लोगों ने मानव श्रृंखला बना ली और सड़क पर आवागमन ठप कर दिया। इस दौरान मौके पर पहुंचे एसडीएम रघुराज नगर ग्रामीण से भी लोगों ने चर्चा की और मंडी हटाने से सम्बंधित ज्ञापन उन्हें सौंपा।

प्रदर्शनकारियों में शामिल सिद्धार्थ देव सिंह सिद्धू ने कहा कि सड़क पर बालू के ट्रकों ने कब्जा जमा रखा है। चौबीसों घंटे यहां ट्रक खड़े रहते हैं। सड़क की भी धज्जियां उड़ा दी गई हैं। ऐसे में हर वक्त यहां हादसे की आशंका बनी रहती है। हालांकि, अब ये अवैध मंडी यहां नहीं लगने दी जाएगी। अनुराग पटनहा ने बताया कि विरोध जताने पर बालू कारोबारी अपने रसूख की धौंस दिखाते हैं। कोई किसी नेता-विधायक का नाम लेता है तो कोई किसी पुलिस अधिकारी का खुद को खास बताते हुए धमकी देता है।

गौरतलब है कि कलेक्टर अनुराग वर्मा ने भी सोमवार को टीएल मीटिंग में अवैध बालू मंडी और सोहावल मोड़ से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही के निर्देश राजस्व,नगर निगम ,पुलिस और खनिज विभाग के अधिकारियों को दिए थे। लेकिन अभी तक कलेक्टर के निर्देश पर अमल शुरू नहीं हो सका है।

एनीमल हस्बेंड्री एवं डेयरी टेक्नोलॉजी डिप्लोमा इंट्रेस टेस्ट 27 जून को

परीक्षा संचालन के लिये कंट्रोल रुम स्थापित

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल द्वारा एनीमल हस्बेंड्री एवं डेयरी टेक्नोलॉजी डिप्लोमा इंटेऊस टेस्ट 2024 की परीक्षा 27 जून को आयोजित की जा रही है। सतना जिले में परीक्षा आयोजन के लिये मां मीरा कॉन्वेंट हायर सेकण्डरी स्कूल डेलौरा सतना को केंद्र बनाया गया है। परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी। प्रथम पाली की परीक्षा प्रात: 9 से 11 बजे तक एवं दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होगी।

कलेक्टर अनुराग वर्मा ने परीक्षा के सुचारु संचालन के लिये कलेक्टर कार्यालय सतना के एफ-17 कक्ष में कंट्रोल रुम स्थापित कर कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है। जारी आदेशानुसार डिप्टी कलेक्टर एलआर जांगड़े परीक्षा को परीक्षा प्रभारी नियुक्त किया गया है। इसके अलावा जिला नाजिर रामलखन वर्मा, गौरव कुमार गौतम और सहायक ग्रेड-3 आकाश यादव की ड्यूटी कंट्रोल रुम में लगाई गई है।

शिकायत निवारण शिविर 26 जून को जनपद सभागार मझगवां में

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास सौरभ सिंह ने बताया कि बच्चों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, लैंगिक उत्पीड़न तथा सामाजिक सुरक्षा एवं शासकीय योजनाओं का लाभ ने मिलने की शिकायतों के निराकरण के लिये शिविर का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग की विकासखंड स्तरीय बेंच द्वारा 26 जून को प्रात: 10 बजे से जनपद पंचायत सभागार मझगवां में शिकायतें सुनी जायेंगी एवं उनका निराकरण किया जायेगा। शिकायतों का पंजीयन 26 जून को प्रात: 9 बजे तक जनपद पंचायत मझगवां में किया जा रहा है। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने आमजनों से शिकायत निवारण शिविर का लाभ लेने का अनुरोध किया है।

उपकेंद्र बाबूपुर और भटनवारा से संबंधित फीडरों में आज सप्लाई रहेगी बंद

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। कार्यपालन अभियंता (विद्युत) ने बताया कि 26 जून को प्रात: 8 बजे से 11 बजे तक उपकेंद्र सोनौरा में 33 केव्ही मेनबेस में नया जंफर लगाने मेंटीनेंस कार्य किया जायेगा। इस दौरान 33/11 केव्ही उपकेंद्र भटनवारा और बाबूपुर से निकलने वाले समस्त 11 केव्ही फीडरों की विद्युत सप्लाई बाधित रहेगी।

भूतपूर्व सैनिकों से विभिन्न पदों के लिए आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, रीवा निप्र। संचालनालय सैनिक कल्याण अन्तर्गत विभिन्न कार्यालयों में भर्ती के लिए भूतपूर्व सैनिकों से विभिन्न पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी पी. गंगा ने बताया कि अधीक्षक, सहायक ग्रेड-2, शीघ्रमुद्रलेखक, सहायक ग्रेड-3, भृत्य तथा चौकीदार सह फर्राश के पदों के लिए जिला सैनिक कल्याण कार्यालय रीवा में 4 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। भूतपूर्व सैनिकों को आवेदन के साथ सेना द्वारा जारी डिस्चार्ज बुक की छायाप्रति, पीपीओ की छायाप्रति, पहचान पत्र एवं पंजीयन की छायाप्रति तथा स्वयं का पता लिखा डाक टिकट लगा लिफाफा संलग्न करना होगा।

संभागीय आईटीआई रीवा में रोजगार मेला आज

मीडिया ऑडीटर रीवा निप्र। संभागीय आईटीआई रीवा के विद्यार्थियों के लिए रोजगार के नए अवसरों का सृजन किया जा रहा है। इसके लिए 26 जून को प्रातरू 10 बजे से प्लेसमेंट ड्राइव रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में प्राचार्य ने बताया कि रोजगार मेले में वेसमेट इंडिया लिमिटेड कंपनी द्वारा आईटीआई पास एवं 12वी पास प्रशिक्षणार्थियों को रोजगार का अवसर दिया जाएगा। प्लेसमेंट ड्राइव में आवेदन करने के लिए 60 प्रतिशत से अधिक अंकों के साथ परीक्षा उत्तीर्ण करना आवश्यक है। इसमें आईटीआई के 2022, 2023 और 2024 के विद्यार्थियों को मौका दिया जा रहा है। बीएससी और बीकॉम पास विद्यार्थी भी इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। कंपनी द्वारा जूनियर एसोसिएट के पद के लिए फिटर, इलेक्ट्रीशियन, मशीनिस्ट तथा इलेक्ट्रॉनिक व्यवसाय के लिए भी आवेदन लिए जाएंगे। इसके लिए प्रशिक्षणार्थियों की आयु 18-25 वर्ष होना आवश्यक है। आवेदन पत्र के साथ शैक्षणिक दस्तावेज एवं पासपोर्ट साइज की दो फोटो लेकर आना आवश्यक होगा। चयन इंटरव्यू के माध्यम से किया जाएगा।

47 प्रकरणों में अत्याचार पीड़ितों को 52 लाख 81 हजार रूपये की सहायता स्वीकृत

जिला सतर्कता एवं मॉनीटरिंग समिति की बैठक

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत जिले में वित्तीय वर्ष 2024-25 (अप्रैल 2024 से जून 2024) में 47 प्रकरणों में अब तक 52 लाख 81 हजार रूपये की सहायता स्वीकृत की गई है। इस आशय की जानकारी डिप्टी कलेक्टर गोविंद सोनी की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न जिला सतर्कता एवं मॉनीटरिंग समिति की बैठक में दी गई। इस मौके पर एएसपी शिवेश सिंह, एडीपीओ फखरुद्दीन, अशासकीय सदस्य

उमेश प्रताप सिंह, रामकलेश साकेत, एडवोकेट रमेश मिश्रा उपस्थित थे।

जिला सतर्कता एवं मॉनीटरिंग समिति की बैठक में बताया गया कि अप्रैल 2024 से जून तक जिले में अत्याचार पीड़ितों के 47 प्रकरणों में अब तक 52 लाख 81 हजार रूपये की आर्थिक सहायता हितग्राहियों को स्वीकृत की गई है। जिसमें अनुसूचित जाति के 31 मामलो में 40 लाख 56 हजार रूपये और अनुसूचित जनजाति के 16 मामलों में 12 लाख 25 हजार रूपये की राशि योजना के प्रावधान के तहत स्वीकृत की गई है।

बैठक में बताया गया कि अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 के अंतर्गत जनवरी 2024 से मई 2024 की स्थिति में अनुसूचित जाति वर्ग के 54 एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के 16 मामले पंजीकृत हुये हैं। जिसमें अनुसूचित जनजाति वर्ग के एक मामले को खारिज किया गया है। अनुसूचित जाति वर्ग के 31 और अनुसूचित जनजाति वर्ग के 13 मामलों में न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया गया है। डिप्टी कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रकरणों के डिस्पोजल में अधिक प्रयास करने की जरुरत है। प्रकरणों का निराकरण तीव्र गति एवं व्यक्तिगत रुचि लेकर निराकरण करने का प्रयास करें।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।